सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 275 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 18 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नेहरू नगर बाईपास में 30 फीट हाइट से गिरी कार, गंभीर रूप से घायल हुआ चालक

भिलाई। नेहरू नगर बाइपास में गुरवार की सुबह एक कार लगभग 30 फीट की हाइट से नीचे गिर गई। तेज रफ्तार कार के नीचे गिरते ही तेज आवाज आई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। जैसे तैसे वहां मौजूद लोगों ने चालक को बाहर निकाला और उसे अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है हादसे में घायल चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा स्टील कॉलोनी के पास हुआ है। बाइपास से तेज रफ्तार कार राजनांदगांव की ओर जा रही थी। इस दौरान बोगदा पुल के पास लगभग तीस फीट की हाइट से कार नीचे गिर गई। सुबह का समय होने के कारण लोग मॉर्निंग वाक पर निकले हुए थे। जैसे ही कार नीचे गिरी तो लोगों का जमावड़ा लग गया। कार को एक युवक चला रहा था जिसे गंभीर चोटे आई हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल को गाड़ी से बाहर निकालकर अस्पताल भेज दिया और पुलिस को सूचना दी गई।

विष्णु ने चला दिया विकास का सुदर्शन

दो दिन के दौरे में केन्द्रीय मंत्रियों से छत्तीसगढ़ के लिए मांगी सौगातें

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय के दिल्ली दौरे ने कई कीर्तिमान गढ़ दिए हैं। महज दो दिन के दौरे में उन्होंने कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के विकास का खाका खींचा। पहले दिन आधा दर्जन से ज्यादा विभाग संभालने वाले 4 मंत्रियों से मुलाकात के बाद सीएम साय दूसरे दिन भी मिशन छत्तीसगढ़ विकास में जुटे रहे। केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और उनसे छत्तीसगढ़ के लिए सौगातों की अपनी मांग पर मुहर भी लगवाई। बुधवार को दोनों उपमुख्यमंत्रियों अरुण साव व विजय शर्मा के साथ ही वित्तमंत्री ओपी चौधरी के साथ दिल्ली पहुंचे सीएम साय ने लगातार रोजगार, श्रम कल्याण, युवा व खेलमंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव फिर गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। रात में ही उनकी मुलाकात भाजपाध्यक्ष व स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा से भी हुई। वहीं दूसरे दिन गुरूवार को भी केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात का सिलसिला जारी रहा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मिलने के बाद सीएम साय ने सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गड़करी से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री जब बुधवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए तो वही पुरानी घिसी-पिटी चर्चाएं चलती रही। इस दौरे को मंत्रिमंडल विस्तार, रायपुर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी चयन और नगरीय निकाय के चुनाव से जोड़कर देखा गया। लेकिन वास्तव में सीएम साय के लिए यह कोई विषय नहीं थे। मुख्यमंत्री अपनी टीम के साथ एक लक्ष्य लेकर दिल्ली गए थे और दो दिनों में पूरी तरह लक्ष्य पर ही केन्द्रित रहे। जिन केन्द्रीय मंत्रियों के जरिए छत्तीसगढ़ के विकास को आगे बढ़ाया जा सकता है, उनसे मुलाकात की और राज्य के हालातों और आवश्यकता से अवगत कराया। केन्द्रीय श्रम, रोजगार, युवा व खेल मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के निवास स्थान पर पहुंचे सीएम साय ने छत्तीसगढ़ में चल रही कल्याणकारी और जनोपयोगी नीतियों की न केवल जानकारी दी, अपितु रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण और खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिक सहयोग भी मांगा। केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया को सीएम साय ने बताया कि राज्य में न्यूनतम मजदूरी दर में वृद्धि, श्रमिक कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन और रोजगार के नए अवसरों का सृजन जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बेरोजगारी की दर को कम करने के लिए केन्द्र से और ज्यादा सहयोग की मांग की। साथ ही राज्य में खेल सुविधाओं के विस्तार से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री के प्रेजेन्टेशन से केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया प्रभावित हुए और राज्य सरकार को भरपूर सहयोग के लिए आश्वस्त किया।

रेल परियोजनाओं से खुलेंगे विकास के द्वार

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के दौरान सीएम साय ने राज्य के लिए कई नई रेल परियोजनाओं पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने राज्य के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की जरूरत पर बल दिया। राज्य की 4 रेल परियोजनाओं धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना (16,000 करोड़), अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना (9000 करोड़), खरसिया-नया रायपुर-परमालकसा नई रेल लाइन परियोजना (8000 करोड़) और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना (3500 करोड़) को जल्द शुरू करने का आग्रह किया। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए यह चारों परियोजनाएं मील का पत्थर साबित हो सकती है। इससे नए क्षेत्रों को कनेक्टिविटी मिलेगी, वहीं व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। रेलमंत्री ने इन सभी परियोजनाओं पर तेजी से काम करने का आश्वासन दिया है।

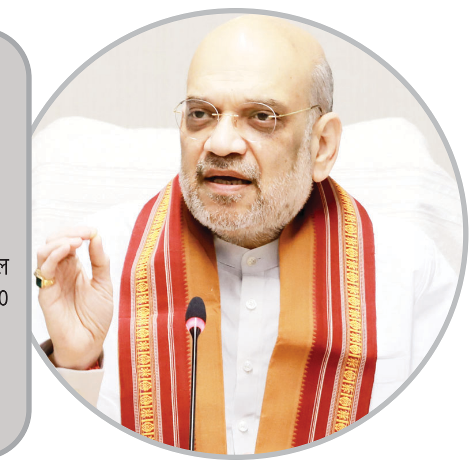

शाह को विजन 2047 से कराया अवगत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सबसे महत्वपूर्ण बैठक केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई। सीएम साय ने शाह को राज्य के दीर्घकालिक विकास के लिए बनाए गए छत्तीसगढ़ विजन 2047 की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 8 अलग-अलग क्षेत्रों को चिन्हित किया है। इन क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए वर्किंग कमेटी भी बनाई गई है, जो विषय विशेषज्ञों और आम जनों से चर्चा कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर रही है। गृहमंत्री शाह को सीएम ने माओवाद के खिलाफ किए जा रहे प्रभावी प्रयासों की भी जानकारी दी। माओवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने और उनके वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के अलावा नक्सल ऑपरेशन और प्रभावित क्षेत्रों में कराए जा रहे विकास कार्यों से भी केन्द्रीय गृहमंत्री को अवगत कराया गया। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा व स्वास्थ्य की दिशा की किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी सीएम साय ने दी। शाह ने सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की न केवल सराहना की अपितु केन्द्र की तरफ से पूर्ण सहयोग की भी बात कही। बाद में सीएम साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात की।

बिरला और गड़करी से मुलाकात

दिल्ली दौरे के दूसरे दिन गुरूवार को दोपहर करीब 12 बजे मुख्यमंत्री श्री साय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य राज्य व केन्द्र के बीच सहयोग बढ़ाना था। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने दोपहर करीब डेढ़ बजे केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गड़करी से उनके निवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात भी काफी अहम् रही, जिसमें छत्तीसगढ़ की सड़क विकास परियोजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय व केन्द्रीय मंत्री श्री गड़करी के बीच हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और आगामी परियोजनाओं को गति देना था। दोपहर करीब 3 बजे होटल अशोका चाणक्यपुरी में आयोजित एक कार्यक्रम में भी सीएम साय ने शिरकत की, जिसमें छत्तीसगढ़ सरकार के 6 माह पूर्ण होने पर अपने विचार रखे। सीएम साय ने राज्य के विकास, सुशासन, नक्सल विरोधी अभियान की सफलता, नक्सलियों द्वारा पीड़ित लोगों की व्यथा, संस्कृति, पर्यटन आदि से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

नीट यूज़ी पेपर लीक केस में पटना एम्स के तीन मेडिकल छात्र हिरासत में

चौथा खुद पहुंचा सीबीआई के पास

नईदिल्ली। नीट यूजी पेपर लीक केस में सीबीआई ने बुधवार को पटना एम्स के चार मेडिकल स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। इनमें से तीन को पहले हिरासत में लिया गया था। एक मेडिकल स्टूडेंट आज खुद सीबीआई के सवालों का जवाब देने पहुंचा है। इन चारों के लैपटॉप और मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं। इन पेपर लीक केस में संलिप्त होने का आरोप है। तीनों डॉक्टर 2021 बैच के स्टूडेंट हैं। इनके हॉस्टल के कमरे को भी सील कर दिया गया है। इस मामले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल का कहना है कि पटना एम्म के किसी डॉक्टर को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सीबीआई टीम तीन छात्रों को अपने साथ ले गई है। इस दौरान एक छात्र हॉस्टल में नहीं था। बाद में उसने सीबीआई कार्यालय गया। हमें जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार कुल चार छात्र सीबीआई के पास हैं। एम्स की ओर से डॉ गोपाल कृष्ण पाल ने बताया कि सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले नीट यूजी केस में शामिल सभी आरोपी छात्रों के नाम उनकी तस्वीरों और मोबाइल नंबर के साथ साझा किया था। सीबीआई की टीम लगातार हमारे संपर्क में थी। हम अपनी ओर से सहयोग करना जारी रखेंगे। हम छात्रों की संलिप्तता के बारे में नहीं जानते हैं। उनकी संलिप्तता इस केस में है या नहीं? क्या वह दोषी हैं? यह हमें पता नहीं। यह सब सीबीआई बताएगी। जांच में सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। आरोपी छात्रों की पहचान चंदन सिंह, राहुल आनंद, करण जैन और कुमार शानू के रूप में हुई है। चंदन सीवान, कुमार शानू पटना, राहुल धनबाद और करण जैन अररिया के रहने वाले हैं। सीबीआई ने तीन छात्रों के कमरे को सील कर दिया था। इसके बाद एक अन्य छात्र की जानकारी मिलने पर हमने इनका भी कमरा सील कर दिया।

वाईएसआरसीपी नेता की बीच सड़क पर हत्या,पूर्व सीएम जगन ने TDP पर लगाए हिंसा के आरोप

विशाखापट्नम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के विनुकोंडा शहर में बुधवार की रात वाईएसआरसीपी की युवा शाखा के एक सदस्य राशिद की हत्या कर दी गई। मामले को लेकर पलनाडु जिले के पुलिस अधीक्षक कांचे श्रीनिवास ने कहा कि शेख जिलानी नाम के एक व्यक्ति ने राशिद पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना में कोई राजनीतिक कोण नहीं है। फिलहाल आरोपी की जांच चल रही है। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों को सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा।

वहीं, वाईएसआरसीपी का कहना है कि राशिद उनकी पार्टी का कार्यकर्ता था, जिसकी हत्या टीडीपी कार्यकर्ताओं ने की है। वाईएसआरसीपी के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने कहा, मैं राशि के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिनकी विनुकोंडा में टीडीपी कार्यकर्ताओं ने हत्या कर दी। सरकार विपक्ष को दबाने के लिए जघन्य कृत्यों में लिप्त है। इधर टीडीपी के एमएलसी जी. दीपक रेड्डी ने कहा, वाईएसआरसीपी का कहना है कि कल पलनाडु में हत्या टीडीपी कार्यकर्ताओं द्वारा की गई है। यह झूठ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाद दो दोस्तों का था और दोनों वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ता था। वाईएसआरसीपी, टीडीपी पर झूठा आरोप लगा रही है। इस मामले में पलनाडु जिला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के. श्रीनिवास ने कहा, इस हत्या के पीछे कोई राजनीतिक कोण नहीं है। विनुकोंडा में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण के लिए नाबार्ड व पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता

नईदिल्ली (एजेंसी)। वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑनलाइन पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह एमओयू जनसुरक्षा पोर्टल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की जन सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन और दावा निपटान की प्रक्रिया को सुचारू बनाएगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के वी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की।

यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके जरिए जन सुरक्षा योजनाओं के निर्बाध नामांकन और कुशल निपटान के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को डिजिटल समाधान मुहैया कराया जाएगा जिससे वे सशक्त बनेंगे। इसके उद्घाटन के मौके शाजी के वी ने कहा कि, 'इस पहल की शुरुआत ग्रामीण भारत में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। यह क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए सुलभ कुशल डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की नाबार्ड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है ताकि वित्तीय स्थिरता बनाई जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

परियोजना का लक्ष्य एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से जनसुरक्षा पोर्टल को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (सीबीएस) के साथ जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करना है। जनसुरक्षा पोर्टल, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ओर से शुरू की गई एक पहल है। यह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के लिए डिजिटल नामांकन और दावा निपटान की सुविधा प्रदान करती है।

NABARD

मॉब लिंचिंग रोकने आगे आई सरकार

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने मवेशियों की तस्करी से जुड़े मॉब लिंचिंग के मामलों की रोकथाम के लिए एक खास पहल की है। अब पशुओं के परिवहन के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। जिस वाहन में पशुओं को ढोया जाएगा, उसपर फ्लेक्स लगाकर साफ-साफ लिखना होगा कि इसमें मवेशियों का परिवहन किया जा रहा है। यदि इस नियम की अवहेलना की गई तो सात साल की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगेगा। गृहमंत्री विजय शर्मा ने इसकी घोषणा की है। वैसे ये प्रावधान पहले से ही कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि गौ-वंश का अवैध परिवहन करना एक संज्ञेय अपराध होगा और इसमें आरोपियों की जमानत नहीं होगी। पशु तस्करी में शामिल पाए जाने पर पुलिस वालों पर भी कार्रवाई होगी। इसके लिए भी कड़े प्रावधान किये गये हैं। पुलिस महानिरीक्षक अशोक जुनेजा ने परिपत्र जारी कर कहा है कि पशु तस्करी के मामले में सेटिंगबाजी नहीं चलेगी। पशुओं का अवैध परिवहन करने वाली गाड़ियां जहां कहीं भी पकड़ी जाती हैं तो वहां से लेकर जहां से पशु उठाए गए हैं, वहां तक के रास्ते में पड़ने वाले सभी जिलों के एसपी और थानों के टीआई पर कार्रवाई की जाएगी। कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 के तहत गाय, बछड़ा, बछिया, भैंस के बच्चे, सांड, बैल, भैंसा और भैंस का अवैध परिवहन करना पहले से ही प्रदेश में बैन है। उम्मीद की जा रही है कि इसके बाद पशुओं का वैध परिवहन करने वाले वाहनों के चालकों के साथ मारपीट या हत्या की घटनाओं पर रोक लगेगी। पर इसमें अभी एक पेंच बाकी है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जिस गाड़ी पर फ्लेक्स लगा है, उसके पास लाइसेंस भी है। अर्थात पुलिस या गौ-रक्षक दलों के पास अब भी यह विकल्प खुला है कि वे गाड़ियों को रोककर उनसे लाइसेंस की मांग करें। वैसे भी इन मामलों में लाइसेंस की पड़ी किसको है। गौरक्षक बनकर पशु परिवहन में लगे वाहनों को रोकने के पीछे असली मंशा अवैध वसूली की होती है। जानकारी के लिए बता दें कि भारत दुनिया में बीफ का निर्यात करने के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश था। पहले और दूसरे स्थान पर क्रमशः ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया थे। 5 मार्च 2024 को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत अब बीफ निर्यात के मामले में दूसरे नम्बर पर आ गया है। पिछले साल भारत ने 30 लाख टन बीफ का निर्यात किया है। अप्रैल 2024 में बीफ की अंतरराष्ट्रीय कीमत 343 रुपए किलो से अधिक थी। जाहिर है कि यह एक बड़ा व्यवसाय है जिससे देश को अच्छी खासी आमदनी होती है। वैसे भी पशुओं को जब पशुधन कहा जाता है तो उनकी कीमत ही लगाई जाती है। दुधारू पशु तो अब भी काम के हैं पर बछड़ों, बैलों, भैंसों की जरूरत तेजी से कम हुई है। इस गणित को समझ लें तो हंगामा खुद-ब-खुद बंद हो जाएगा।

संपादकीय

स्थानीय को आरक्षण

कर्नाटक में निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की कवायद पर जहां खुशी का इजहार किया जा रहा है, वहीं इसके विरोधी भी कम नहीं हैं। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो एक्स पर आधिकारिक रूप से एक संदेश भी पोस्ट कर दिया था। संदेश बहुत स्पष्ट था कि कर्नाटक में सी और डी ग्रेड की तमाम निजी नौकरियों में स्थानीय लोगों को 100 फीसदी आरक्षण मिलेगा। यह खबर जंगल में आग की तरह फैली और मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट हटा ली। अब कर्नाटक सरकार की ओर से जो आधिकारिक बयान जारी हुआ है, उसके अनुसार, राज्य में निजी कंपनियों की नौकरी में स्थानीय लोगों को आरक्षण दिया जाएगा।

> यह आरक्षण गैर-प्रबंधन भूमिकाओं के लिए 70 प्रतिशत और प्रबंधन स्तर के पदों के लिए 50 प्रतिशत है। दरअसल, कर्नाटक तेजी से उभरता हुआ राज्य है और बड़ी संख्या में यहां आईटी कंपनियां सक्रिय हैं, जिनमें बड़ी संख्या में अन्य राज्यों के लोग काम कर रहे हैं। जब इन तमाम कंपनियों में आरक्षण लागू हो जाएगा, तब जाहिर है, कर्नाटक के बाहर से आए लोगों के लिए वहां रोजगार के अवसर कम हो जाएंगे।

कर्नाटक का यह फैसला स्थानीय रूप से भले ही वहां की राजनीति को पसंद आए, पर यदि अपेक्षाकृत रूप से विकसित हर राज्य ऐसे ही आरक्षण का सहारा लेने लगे, तो उन राज्यों का क्या होगा, जो पिछड़े हुए हैं और जहां जरूरत के हिसाब से बहुत कम रोजगार उपलब्ध है? मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की थी कि 'हमारी सरकार की आकांक्षा है कि कन्नड़ भूमि में किसी भी कन्नड़ को नौकरी से वंचित नहीं किया जाना चाहिए, ताकि वे शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। हमारी सरकार कन्नड़ समर्थक है।' वास्तव में कर्नाटक राज्य अपने इस मकसद को पूरा करने के लिए कानून बनाने जा रहा है और इस विधेयक की समीक्षा अवश्य होनी चाहिए। स्थानीय लोगों को खुश करने के लिए अगर यह आदर्श विधेयक है, तो क्यों न हरेक राज्य इस लागू करें? हालांकि, इसमें उन राज्यों को बहुत नुकसान होगा, जहां निजी नौकरियां कम हैं। सरकारी स्तर पर तो समय-समय पर कुछ राज्य स्थानीय लोगों को खुश करने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन निजी क्षेत्र के सहारे स्थानीय लोगों को खुश करने की यह कोशिश काबिल-ए-गौर है। विरोध के बावजूद, लगभग तय है कि यह रोजगार संबंधी विधेयक गुरुवार को कर्नाटक विधानसभा में पेश कर दिया जाएगा।

दरअसल, यह मामला केवल स्थानीय राजनीति से नहीं, बल्कि भाषा की राजनीति से भी जुड़ा है। कर्नाटक सरकार यह कोशिश कर रही है कि राज्य में नौकरी के लिए कन्नड़ ज्ञान को अनिवार्य बना दिया जाए। वैसे, राज्य के ही कई उद्यमियों ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए इसे भेदभावपूर्ण करार दिया है और आशंका जताई जा रही है कि इससे तकनीकी उद्योग को नुकसान हो सकता है। इस फैसले को फासीवादी और असांविधानिक भी कहा जा रहा है। एक आशंका यह भी है कि निजी क्षेत्र की नौकरियों में भी सरकारी अधिकारियों का दखल बढ़ जाएगा। इससे सेवाओं की गुणवत्ता और कर्नाटक की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। वैसे, सरकार रोजगार के अभाव में ही यह कदम उठा रही है। दरअसल, आज न सिर्फ कर्नाटक, बल्कि देश के तमाम राज्यों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की जरूरत है और यह प्रस्तावित विधेयक इसी ओर इशारा कर रहा है।

छोटे किसानों के हितों की रक्षा

न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल अलग-अलग किसान संगठनों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता, लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों को ज्ञापन सौंपेंगे। इस बार दिल्ली कूच करने की बजाय देशव्यापी विरोध की तैयारी कर रहे हैं। महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को वे प्रमुखता देंगे।

इन राज्यों में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। फसल बीमा, किसानों को पेंशन बिजली के निजीकरण को बंद करने के साथ सिंधु और टिकरी सीमा पर शहीद किसानों का स्मारक बनाने की मांग भी कर रहे हैं। समर्थन मूल्य को लेकर यह आंदोलन 2020 में शुरू हुआ था।

यूं तो इसे बड़े किसानों का आंदोलन कहा जा रहा है लेकिन किसानों का एक वर्ग मोदी सरकार की कृषि नीतियों से संतुष्ट नहीं है। सरकार की तरफ से मिले आासन और आम चुनाव के दौरान आंदोलन कुछ वक्त के लिए ठहर सा गया था। देश में छोटे किसानों की तादाद बहुत है। दूसरे वे लोग हैं, जो कृषि कायरे के जरिए जीवन यापन करते हैं। उन सबको इन आंदोलनों या मांगों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हालांकि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार हर देशवासी को है। वह सरकार के समक्ष अपनी कोई भी मांग रखने को आजाद है। मगर पिछले आंदोलन के दरम्यान प्रदर्शनकारियों के कारण कई स्थानों पर जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। आगजनी और पथराव हुआ था।

सुरक्षाबलों पर हथियार भी प्रयोग हुए। इसी दरम्यान पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के शंभू बार्डर पर धरनारत किसानों को हटाने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार को भी बैरिकेड हटाने और चड़ीगढ़-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खोलने का आदेश दिया है।

पांच महीनों से अवरुद्ध इस मार्ग के खोलने से कारोबारियों और नियमित यात्रियों को होने वाली असुविधा से निजात मिल सकेगी। हम कृषि प्रधान देश हैं इसलिए उनकी जरूरतों और मांगों की अनदेखी नहीं की जा सकती। मगर उन्हें भी उग्र विरोध से बचना चाहिए। अड़ियल रुख दिखाने की बजाय सरकार को भी छोटे किसानों के हितों की रक्षा में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

नजरिया

बाबा साहेब को भूलकर फर्जी बाबाओं के चक्कर में समाज

उत्तर प्रदेश के हाथरस में आंबेडकरवादी, लोहियावादी, दलित-पिछड़ा वर्ग राजनीति, दलित साहित्य और अन्य पिछड़ा व बहुजन साहित्य की नाकामी का बहुत बड़ा प्रमाण उपस्थित हुआ, जिस पर चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही है। इस त्रासदी को भूलना मुश्किल है। सूरजपाल जाटव उर्फ साकार हरि 'बाबा' के तथाकथित सत्संग में आखिर 121 मौतें कैसे हो गईं?

श्यौराज सिंह 'बेचैन',
प्रोफेसर, दिल्ली विवि

सबसे त्रासद यह कि अधिसंख्य मौतें दलित व अतिपिछड़े समाज की महिलाओं और नाबालिग बच्चों की हुई हैं। ज्यादातर मृतक महिलाएं ऐसे परिवारों से ताल्लुक रखती थीं, जिनमें बाबा साहेब आंबेडकर की शिक्षाओं की चर्चा होती है। गौर करने की बात है कि साल 1990 के बाद से ही बहुतों के घरों में बाबा साहेब की तस्वीरों के बरक्स नाना प्रकार के कथित बाबाओं की तस्वीरें प्रवेश पाने लगी हैं। आज जगह-जगह बाबा साहेब और गौतम बुद्ध की प्रतिमाएं स्थापित हैं, पर इनका कोई प्रभाव वंचित जातियों में दिखाई नहीं देता है। पढ़े-लिखे अफसर और अनेक दलित नेता या तो राजनीतिक सत्ता की बात करते हैं या फिर कथित बाबाओं के लिए चंदा जुटाते दिखते हैं। अफसोस, बड़ी संख्या में ऐसे वंचित लोग हैं, जो बाबा साहेब की न तो किताबें पढ़ते हैं और न ही उनकी शिक्षा को याद करते हैं।

वरिष्ठ नेता कांशीराम ने एक समय दावा किया था कि हमने बसपा के बहुजन संगठक पत्र और बहुजन प्रचार के जरिये बाबा साहेब के विचारों को उत्तर प्रदेश के घर-घर में पहुंचाया है, जबकि वह प्राथमिक शिक्षा भी ग्रामीण दलित महिलाओं तक नहीं पहुंचा पाए थे। ध्यान देने की बात है, सन् 1956 में बाबा साहब ने जब बौद्ध धर्म अपनाया, तब महाराष्ट्र की अल्पशिक्षित व अशिक्षित महिलाओं ने अपने-अपने घर से आडंबरी बाबाओं की तस्वीरें और मूर्तियां निकाल बाहर फेंक दी थीं और आंबेडकरी विचार-प्रचार के लिए समर्पित संस्थाओं, व्यक्तियों, मलाईचाटू अफसरों और नेताओं को आत्म-विश्लेषण के लिए मजबूर कर दिया था।

हाथरस हादसे के हवाले से अगर सोचें, तो प्रभावहीनता, नाकामियां कहां हैं? जिम्मेदार कौन हैं? दलित साहित्य चेतना और दलित राजनीति ने तथाकथित बाबाओं के आडंबरों से दलित समाज को दूर तो किया है, पर वह खालीपन न तो शिक्षा से भरा गया, न रचनात्मक सांस्कृतिक क्रियाकलाप उन तक पहुंच पाए। ज्ञान की सत्ता और विचारों की प्रगति के बारे में सोचा भी नहीं जाता है। ऐसे में, दलितों और महिलाओं की स्थिति सबसे खराब हो जाती है।

आज फर्जी बाबाओं के चक्कर लगाने वालों में दलितों और महिलाओं की बड़ी संख्या है। भगदड़ की स्थिति में यही लोग ज्यादा मारे जाते हैं। अंधविश्वास के चंगुल में आकर जो लोग मारे गए हैं, उनकी पृष्ठभूमि पर जरूर गौर करना चाहिए। ढोंगी बाबाओं के पास जाने वाले लोग अपनी तर्क-बुद्धि से काम क्यों नहीं लेते? अंधविश्वासों के सहारे तरक्की की सीढ़ियां क्यों चढ़ना चाहते हैं? महाराष्ट्र में एक समय हजारों महिलाएं ढोंगी बाबाओं के आभामंडल को झटक बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर बढ़ीं और उन्होंने अपने परिवारों को भी सुधारा। उन पर हमने भी इतिहास रचा है (आम्ही इतिहास गढ़वला) शीर्षक से मीनाक्षी मून और उर्मिला पवार के संपादन में एक खास पुस्तक प्रकाशित हुई थी, जो आज भी महिला जागृति का बहुमूल्य दस्तावेज है।

उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में राजनीति ने दलितों और महिलाओं को बहुत ऊंचे सपने दिखाए हैं और खासकर दलित स्त्री-समाज को साहित्य, संगीत, कला विहीन रखकर उनके बौद्धिक विमर्श को रसातल में पहुंचा दिया है। संत कबीर, रैदास से लेकर आज तक अनेक शीर्ष दलित लेखक, संत उत्तर प्रदेश में पैदा हुए हैं, पर तब भी यहां किसी ढोंगी बाबा को लोग ईश्वर मानने लगते हैं। आंबेडकरवादी दलित लेखकों को लगता था कि उनकी कविताओं, कहानियों, लेखों ने असर डाला है, नेताओं को लगता था कि उनके भाषणों से चेतना जागृत हुई है, पर हाथरस हादसे के बाद सबको सोचने पर मजबूर होना चाहिए। बाबा साहेब का एक नारा था, 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो', इसे लोगों के बीच फिर बार-बार दोहराने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

तकनीकी आजादी की ओर बढ़े भारत

भाविश अग्रवाल, सीईओ, ओला कैब्स

पिछले दस साल में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी होकर 3.5 ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक हैं। हमारा लक्ष्य है, 2047 तक भारत विकसित देश बने। अगर हम अपनी आर्थिक विकास दर को आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर लें, तो भारत 50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। दुनिया भर में तकनीक तेजी से विकसित हो रही है, खासकर एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और नई ऊर्जा के क्षेत्र में। हमारे समकक्ष देश, जैसे चीन, नई तकनीक में भारी निवेश कर रहे हैं, पारंपरिक उद्योगों में बदलाव ला रहे हैं और नए क्षेत्रों को बढ़ावा दे रहे हैं।

भारत के विकास और प्रतिस्पर्द्धा में आगे रहने के लिए हमें एआई और नई ऊर्जा जैसी तकनीक को प्राथमिकता देनी होगी। इससे हमारी पूरी अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आ सकता है। ध्यान रहे, साल 1947 में हमने अपनी राजनीतिक आजादी पाई थी और साल 2047 में हमें अपनी तकनीकी आजादी हासिल करनी है। हमें तकनीकी उन्नति के लिए अपनी खुद की रणनीति बनानी होगी। अपने देश में तकनीक का यह उपयोग सिर्फ आर्थिक विकास के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव के लिए भी होना चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक डिजिटल हो चुकी है, लेकिन कंप्यूटिंग में हमारी भागीदारी अभी भी बहुत कम है। आईटी सेवाओं में हमारी बड़ी सफलता के बावजूद 30 ट्रिलियन डॉलर की ग्लोबल टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में भारत का हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत है। यहां निवेश की बड़ी जरूरत है। भारत अभी भी अनोखी ताकतों से लैस है। विश्व के सबसे बड़े डेवलपर समुदाय में से एक भारत में है। वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक सिलिकॉन डिजाइनर, विशाल मात्रा में उत्पन्न डाटा, और दुनिया का सबसे बड़ा आईटी उद्योग हमें एआई में अग्रणी बनाने की स्थिति में लाते हैं। हम एआई महाशक्ति में बदल सकते हैं। ठीक वैसे ही, जैसे चीन ने वैश्विक विनिर्माण के क्षेत्र में क्रांति ला दी। एआई के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भारत को डाटा, कंप्यूटिंग और एल्गोरिदम में विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहिए।

भारत दुनिया का 20 प्रतिशत डाटा बनाता है, लेकिन हमारा 80 प्रतिशत डाटा विदेश में स्टोर किया जाता है, एआई में प्रोसेस किया जाता है और फिर डॉलर में भुगतान करके वापस आयात किया जाता है। यह डाटा कॉलोनाइजेशन ईस्ट इंडिया कंपनी के तौर-तरीकों की याद दिलाता है, जहां भारत के कच्चे माल का दोहन करके, उन्हें प्रसंस्कृत उत्पाद के रूप में महंगे दामों पर भारतीयों को बेचा जाता था। आज, हमारे डिजिटल कच्चे माल, यानी डाटा का इसी तरह से लाभ उठाया जा रहा है। हमें अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके गोपनीयता-संरक्षित डाटासेट बनाना चाहिए। हम अपनी डीपीआई की सफलता (जैसे, यूआईडीएआई, यूपीआई, ओएनडीसी) पर आधारित होकर एक नई, दुनिया की सबसे बड़ी ओपन-सोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बना सकते हैं, जो भारत के सिद्धांतों पर आधारित हो।

बेशक, साल 2030 तक 50 गीगावाट डाटा सेंटर की क्षमता पाने के लिए 200 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। यह हासिल करने योग्य लक्ष्य है। भारत सिलिकॉन डेवलपमेंट और डिजाइन टैलेंट के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र है। फिर भी, हमारे पास भारत में डिजाइन किए गए चिप्स की कमी है। हमें इंडस्ट्री लीडिंग चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स और रिसर्च-लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से सरकारी प्रोत्साहन की जरूरत है, ताकि रोजगार बढ़े, भारत में काम करने के लिए विश्व स्तरीय प्रतिभाओं और बेहतरीन वैज्ञानिकों को आकर्षित किया जा सके।

पर्याप्त रोजगार वाले विकसित भारत के लिए नई ऊर्जा आपूर्ति शृंखला और तकनीक का भी विकास होना चाहिए। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य बदल रहा है। भारत को इस बदलाव में सबसे आगे रहना चाहिए। नई ऊर्जा का पूरा इकोसिस्टम तीन स्तंभों पर टिका है : रिन्यूएबल एनर्जी जेनरेशन, बैटरी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक वाहन। रिन्यूएबल एनर्जी का मतलब अक्षय ऊर्जा में भारत की ताकत बढ़नी चाहिए। भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 2014 में 72 गीगावाट से बढ़कर 2023 में 175 गीगावाट से ज्यादा हो गई है। सोलर एनर्जी क्षमता 3.8 गीगावाट से बढ़कर 88 गीगावाट से ज्यादा हो गई है। वैसे, हम इस मोर्चे पर पीछे हैं। हमें 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

अक्षय ऊर्जा को प्रभावी बनाने के लिए हमें इसे मजबूत बैटरी स्टोरेज से जोड़ना होगा। अभी हमारी बैटरी स्टोरेज क्षमता सिर्फ दो गीगावाट है, जबकि चीन की 1,700 गीगावाट है। अपने अक्षय ऊर्जा ग्रिड को पावर देने और 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन के लक्ष्य को पाने के लिए 1,000 गीगावाट क्षमता का लक्ष्य रखना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की बात करें, तो भारत में अभी प्रति 1,000 लोगों पर 200 से भी कम इलेक्ट्रिक वाहन हैं। चीन के तीन करोड़ की तुलना में भारत में हर साल सिर्फ बीस लाख ईवी बेचे जाते हैं। भारत को साल 2030 तक पांच करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा ईवी बाजार बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। यह बदलाव पर्यावरण को स्वच्छ बनाएगा, परिवहन लागत को कम करेगा।

वर्तमान में, सौर ऊर्जा उत्पादन, लिथियम सेल उत्पादन और ईवी उत्पादन जैसे न्यू एनर्जी इकोसिस्टम का 90 प्रतिशत हिस्सा चीन में है। अपनी खुद की तकनीक और आपूर्ति शृंखला बनाकर हम अपनी अर्थव्यवस्था को अधिक ऊर्जा-कुशल बना सकते हैं और देश में लाखों नौकरियां पैदा कर सकते हैं।

भविष्य की तकनीकों में महारत हासिल करना ही भारत के लिए ग्लोबल लीडरशिप का रास्ता है। हमें पीछे नहीं रहना है, बल्कि समकक्षों को पीछे छोड़कर एआई और नई ऊर्जा के क्षेत्र में लीडर बनना है। यह भारत को दुनिया में तकनीकी रूप से सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था में बदलने का मौका है। सबसे बड़ी बात कि इससे देश में करोड़ों नई नौकरियां पैदा होंगी। इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें समाज के सभी तबकों के एकजुट प्रयास की जरूरत है। जिस तरह हर भारतीय ने स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका निभाई थी, उसी तरह अब हमारे तकनीकी भविष्य के निर्माण में हर नागरिक की भूमिका है। यह साहसिक कदम उठाने और बड़े सपने देखने का समय है। हमें तत्काल काम शुरू करना होगा, ताकि हम उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।

(ये लेखक के विचार हैं)

आम लोगों को तगड़ा झटका

खुदरा महंगाई के बाद अब थोक महंगाई ने भी आम लोगों को तगड़ा झटका दिया है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 फीसद पर पहुंच गई थी जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। अब थोक महंगाई ने भी लगातार चौथे महीने बढ़त दिखाई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदाथरे, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल तथा अन्य विर्निमित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि रही। गौरतलब है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 फीसद के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 फीसद नीचे रही थी। फरवरी, 2023 में यह 3.85 फीसद थी।

खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर जून में 10.86 फीसद बढ़ी जबकि मई माह में यह 9.82 फीसद थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 फीसद रही जो मई माह में 32.42 फीसद थी। प्याज की महंगाई दर 66.37 फीसद रही जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 फीसद रही। दालों में भी 21.64 फीसद की बढ़त दर्ज की गई। फलों, अनाज, दूध आदि अन्य खाद्य पदाथरे के दामों में भी बढ़त का रुझान रहा। दरअसल, जून माह में थोक दामों में बढ़ोतरी व्यापक रही।

ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े। बेशक, जुलाई माह में कुछ राहत मिलने के अनुमान है। अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई माह में थोक महंगाई में दो फीसद तक नरमी आने की उम्मीद अर्थशास्त्री जतला रहे हैं। अलबत्ता, नरमी की संभावना को कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता से झटका लग सकता है।

जुलाई माह में कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता के चलते मांग-आपूर्ति के मद्देनजर मासिक आधार पर कच्चे तेल में वृद्धि का रुझान देखने को मिला तो थोक महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। बेशक, थोक महंगाई में बढ़त का रुझान केंद्रीय बैंक को उतना चिंता में नहीं डालता जितना खुदरा महंगाई का रुझान।

भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। लेकिन यह भी सच है कि थोक दामों का असर भी खुदरा महंगाई पर कुछ समय बाद दिखलाई पड़ने लगता है। फिर, धारणा से भी निश्चित ही आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं, जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, कर संग्रह आदि आर्थिक संकेतक मजबूत हैं, जिससे दामों के सीजनल दबावों से पार पाने में मदद मिलेगी।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय से मिली जमानत के निहितार्थ

सुरेश हिंदुस्तानी

देश की राजधानी दिल्ली में शराब घोटाले को लेकर चल रही राजनीति ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत देकर जांच एजेंसी पर उठे संदेह के घेरे को और बड़ा कर दिया है। अरविन्द केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने इसे भारतीय जनता पार्टी की साजिश का पर्दाफाश बताया है। यहां एक सवाल यह उठ रहा है कि क्या न्याय व्यवस्था में जमानत मिलना विजय का पर्याय है, क्योंकि आम आदमी पार्टी इसे अपनी विजय और सरकारी एजेंसी की साजिश करार दे रही है। उल्लेखनीय है कि जमानत मिलने के बाद भी आरोप समाप्त नहीं हो जाता। प्रकरण चलता रहता है। अभी शराब घोटाले में न्यायालय का निर्णय नहीं आया है, लेकिन आम आदमी पार्टी की राजनीति इसे निर्णय मानकर चल रही है। आम आदमी पार्टी का यह कदम वास्तव में न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने जैसा ही माना जाएगा। आम आदमी पार्टी की ओर से प्रारम्भ से ही यह बताने की कवायद की जा रही है कि शराब मामले में कोई घोटाला हुआ ही नहीं है। उनका तर्क है कि अगर घोटाला हुआ है तो उस घोटाले की राशि भी जब्त की जानी चाहिए, जबकि प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इससे जो राशि प्राप्त हुई उसे गोवा के चुनाव में व्यय किया गया। दोनों में कौन सच बोल रहा है और कौन झूंठ, यह आने वाला समय ही बता पाएगा। लेकिन इसी मामले में आम आदमी पार्टी के अन्य नेता भी आरोपी हैं, उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिल सकी है। इसलिए यह नहीं माना जा सकता कि घोटाला हुआ ही नहीं। हो सकता है कि यह घोटाला बहुत चतुराई के साथ किया हो, क्योंकि प्रमाण पर्याप्त नहीं हैं। केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर आम आदमी पार्टी भले ही खुशियाँ मना ले, लेकिन यह सत्य है कि न्यायालय ने उनके मुख्यमंत्री के अधिकार सीमित कर दिए हैं। उनको न तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का अधिकार है और न ही किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

किसी भी घोटाले की जांच के लिए जांच एजेंसी कार्य करती हैं। लेकिन शराब घोटाले के मामले में जांच एजेंसी पर संदेह के बादल भी उमड़ रहे हैं। हो सकता है कि जांच एजेंसियां अपनी भूमिका को लेकर एकदम सही हो, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी को विलेन के रूप में प्रचारित करने का अभियान सा चलता दिखाई दिया। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। जांच एजेंसियों पर पहले भी सत्ता के इशारे पर कार्य करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के अधीन कार्य करती हैं, लेकिन जांच एजेंसियों पर यह आरोप लगाना न्याय संगत नहीं कहा जा सकता कि केंद्र सरकार के इशारे पर कार्य कर रही हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी अपने नेता अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी की साजिश करने में जांच एजेंसी से अधिक भाजपा को निशाने पर लेने की राजनीति कर रही है। ऐसा नहीं है कि केवल आम आदमी पार्टी ही राजनीति कर रही है, बल्कि भाजपा भी कम नहीं है, वह भी इस मामले में बयान देने से पीछे नहीं है।

जहाँ तक भाजपा की बात है तो वह केंद्र में सत्ता संभालने के बाद पहले ही कह चुकी है कि न खाऊँगा और न खाने दूंगा। इस बात को ध्यान में रखकर यही कहा जा सकता है कि भाजपा की केंद्र सरकार भ्रष्टाचार के विरोध में कार्यवाही करना चाहती है, लेकिन विपक्ष के राजनीतिक दल इसमें टांग अड़ाने की राजनीति कर रहे हैं। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि विपक्ष के अधिकांश बड़े नेता किसी न किसी आरोप में जमानत पर बाहर हैं। कई नेताओं पर गंभीर आरोप हैं और कई जेल में हैं। इसलिए विपक्ष और ख़ास कर आम आदमी पार्टी के कदम को सरकार पर दबाव बनाने की राजनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। हम जानते ही हैं कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भ्रष्टाचार के मामले में सजायाफ्ता हैं। लेकिन इसके बाद भी वे बिहार और देश की सक्रिय राजनीति में दखल दे रहे हैं। आज हालांकि लालू प्रसाद यादव चुनाव नहीं लड़ सकते, क्योंकि सजा प्राप्त कोई भी व्यक्ति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता है। सवाल यह है कि क्या ऐसा व्यक्ति राजनीति कर सकता है। नहीं करना चाहिए, लेकिन लालू ऐसा कर रहे हैं। लालू प्रसाद यादव ने केवल राजनीति ही नहीं की, बल्कि विपक्ष के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर खड़े दिखाई दिए। इस प्रकार की राजनीति करना किसी भी दल के लिए भी ठीक नहीं और देश के लिए भी ठीक नहीं मानी जा सकती। भ्रष्टाचार किसी भी स्तर का हो, जिसने भी किया है, उसके विरोध में कार्यवाही होना ही चाहिए। आम आदमी पार्टी भी यही कहकर दिल्ली की सत्ता पर विराजमान हुई थी। जो अब अपने सिद्धांत से परे जाती हुई दिखाई दे रही है।

हम जानते हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राजनीति प्रारम्भ करने से पूर्व अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उस समय कांग्रेस की केंद्र सरकार के भ्रष्टाचार के कारण पूरा देश उबाल में था। इसी कारण अन्ना हजारे के आंदोलन को व्यापक रूप से सफलता मिली। इसके बाद एक ईमानदार राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी की स्थापना की गई। बड़े बड़े वादे करके आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके सरकार बना ली। लेकिन इसके बाद क्या हुआ। ज़ब इनको सत्ता की चासनी चखने को मिली तो यह बौरा गए और फिर वही खेल शुरू हो गया जो चलता आया है। आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार करने के जो आरोप लगे हैं, वह अभी जांच की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। जांच होने के बाद यह तय हो जाएगा कि कौन कितने पानी में हैं।

दिल्ली के शराब घोटाले में जिस प्रकार से साजिश की बात कही जा रही है, उससे यह तो कहा जा सकता है कि इसमें साजिश हो सकती है। क्योंकि अगर मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शराब घोटाले के मुख्य सूत्रधार साबित होते हैं तो यह भी एक साजिश ही मानी जाएगी, लेकिन अगर अरविन्द केजरीवाल को फंसाया गया है तो यह गंभीर साजिश ही कही जाएगी। फिलहाल इस मामले में जल्दबाजी करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि अब यह मामला बहुत ही गंभीर हो गया है। जिसकी परतें उधड़ना बाकी हैं। अंदर क्या निकलता है, इसे देखने के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

टाउनशिप क्षेत्र के पेयजल में हाई टर्बीडीटी की शिकायत, विधायक ने लिखा कलेक्टर को पत्र

भिलाई। टाउनशिप में रहने वाले लोगों को बीएसपी के द्वारा शुद्ध और पीने योग्य पानी नहीं दिया जा रहा है। पानी की समस्या को लेकर भिलाई नगर विधायक ने बड़ी पहल की है। कलेक्टर को पत्र लिख कर बीएसपी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याओं को दूर करने की मांग की है। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार टाउनशिप क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहे हैं। पिछले साल भी जब क्षेत्र में पानी की समस्या थी,तब उन्होंने बड़ी पहल की थी और इस बार भी पानी की समस्या को दूर करने के लिए सबसे पहले प्रयास किया। कलेक्टर को पत्र लिखकर कार्यवाही करने की मांग के साथ ही बीएसपी प्रबंधन के अफसरों से चर्चा कर नागरिको की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए है। विधायक श्री यादव ने कहा की जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दास्त नहीं किया जाएगा। आगे उन्होंने कहा की क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों के घरों के नालो में बीएसपी प्रबंधन पीने के लिए जो पानी सप्लाई कर रहा है. उन नलो में अशुद्ध पानी की सप्लाई की जा रही है। जांच में यह रिपोर्ट पीने योग्य नहीं है, बताया गया है। ऐसे में किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य बिगड़ता है तो उसकी पूरी जिम्मेदार बीएसपी प्रबंधन होगा. बीएसपी टाउनशिप क्षेत्र के आवासों में हाई टर्बिडिटी युक्त पानी सप्लाई की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही है। इसके पूर्व भी इस विषय पर मैने बीएसपी प्रबंधन से चर्चा कर पानी शुद्धिकरण संयंत्र एवं सप्लाई व्यवस्था को दुरूस्त करने की मांग की गई थी, ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके। परंतु आज पर्यन्त तक बीएसपी प्रबंधन की पेयजल सप्लाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार का सुधार नहीं हुआ है। वर्तमान में टर्बिडिटीयुक्त पेयजल सप्लाई की शिकायते गंभीर हो गया है। जो कि बारिश में जनस्वास्थ्य की दृष्टिकोण से नुकसानदेह है। अत: आप इस विषय को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित क्षेत्र में पेयजल की उचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए बीएसपी प्रबंधन सहित संबंधितों को समुचित निर्देश प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 98 आवेदन, 20 का स्थल पर ही निराकरण

दुर्ग। जिला कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेशानुसार व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम द्वारा शहर सीमा क्षेत्र अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविर में आमजनों की समस्या–शिकायतों का समाधान के लिए 16 जुलाई को वार्ड क्रमांक 23 से 32 तक 10 वार्डो के लिए एक साथ शिविर का आयोजन किया गया. इस समय शिविर में आम नागरिकों के पहुचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिको ने शिविर के स्टॉल में पहुँचकर अपनी समस्याओं को दर्ज कराया।उक्त शिविर में विभिन्न विभागों के कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में पार्षद नरेश तेजवानी, पूर्व महापौर आर एन वर्मा,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,शिविर प्रभारी व उपअभियन्ता पंकज साहू,संजय मिश्रा,निशांत यादव,अभ्युदय मिश्रा के साथ शिविर में मौजूद रहें । शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। शिविर में नए राशन कार्ड बनवाने व नाम जोड़ने,राजस्व वसुली,पीएम आवास,सफाई से सम्बंधित आवेदन,अतिक्रमण से सम्बंधित शिकायत, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम स्वनिधि, निराश्रित पेंशन,विद्युत तथा पेयजल, सड़क एवं नाली निर्माण, श्रम कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड,आजीविका मिशन व बिजली आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।शिविर में अधिकारी/कर्मचारी द्वारा गंभीरता के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया।शिविर में विभिन्न विभागों को 98 आवेदन प्राप्त हुए।

आशूरा पर अकीदतमंदों ने सदा बुलंद की 'या हुसैन' की, बारिश में भी फीका नहीं हुआ उत्साह

शहर में मोहर्रम पर निकला जुलूस, ताजिए अखाड़े और लंगर के साथ जुटे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हक के लिए अपनी शहादत देने वाले हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की याद में बुधवार को शहर में ताजिए निकाले गए। शहर के अलग–अलग हिस्से से निकले इस जुलूस में सवारी और अखाड़े भी शामिल हुए। दिन भर रूक–रूक कर होती रही बारिश का असर मोहर्रम के जुलूस पर पड़ा। हालांकि तमाम अंजुमनों ने बारिश को देखते हुए सारे इंतजाम पहले ही कर रखे थे।

बारिश के बावजूद जुलूस में शामिल लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। रिमझिम बारिश के बीच भीगते हुए लोग इस जुलूस में 'या हुसैन' की सदा बुलंद करते रहे। जुलूस के दौरान जगह–जगह फातिहा ख्वानी चलती रही और दुआओं में कर्बला के तमाम शहीदों को याद किया गया। दोपहर में शहर की तमाम 48 अंजुमन अपने–अपने इमामबाड़े से ताजिए लेकर निकली। खुर्सीपार, कैम्प, पावर हाउस, गफ्फार कालोनी और अन्य हिस्से से ताजिए पावर हाउस पहुंचे। ये सभी ताज़िये, अखाड़ा और तंज़ीमे अपने अपने चौक इमामबाड़ों से जुलूस के साथ अपने तयशुदा रास्तों से दोपहर 2 बजे निकलकर पावर हॉउस ओवर ब्रिज होते हुए इक्विपमेंट चौक पहुंचे। जहाँ से सेंट्रल एवेन्यू रोड होते हुए सेक्टर–5 चौक होते हुए सेक्टर–6 जामा मस्जिद रोड होते हुए कर्बला मैदान पहुंचे। सुपेला क्षेत्र में अंजुमन शहीदीया के साथ–साथ अन्य अंजुमनों के ताजिए फरीद नगर क्षेत्र से निकले। अंजुमन शहीदीया के संस्थापक हाजी एमएच सिद्दीकी ने बताया कि इस साल सुपेला अंडर ब्रिज बनने की वजह से सुपेला,फरीद नगर,लक्ष्मी नगर, कृष्णा नगर इस्लाम नगर, व बड़ा इमामबाड़ा के तमाम ताजिए फरीदनगर के विभिन्न मार्गों से गदा चौक होते हुए सुपेला चौक अंजुमन शहीदिया इमामबाड़े के पास अपने–अपने ताजिया अखाड़े लेकर पहुंचे। यहां अपने–अपने अखाड़ों के प्रदर्शन के बाद देर रात फोरलेन सैलानी बाबा के मजार के पास कर्बला मैदान पहुंचे। यहां फातिहा ख्वानी के साथ मोहर्रम का जुलूस खत्म हुआ। इसके पहले शहर की रिवायत के मुताबिक मुहर्रम का जुलूस बीती रात यानि 9 मुहर्रम को भी निकला। जिसमें अपनी–अपनी बस्तियों से निकलकर अलग–अलग मार्ग से होते हुए पावर हाउस चौक पर इकट्ठा हुए और अपने–अपने ताजिया–अखाड़े का प्रदर्शन कर सुबह 4 बजे वापस अपने अपने क्षेत्र के इमामबाड़ा पर लौट गए। 9 मुहर्रम की रात फरीद नगर और जेपी चौक–सेक्टर 6 ईदगाह के समीप अलाव का प्रदर्शन हुआ। जिसमें अकीदतमंदों ने अंगारों पर चल कर कर्बला के शहीदों के लिए अपनी मुहब्बत का इजहार किया।

पढ़ी गई दुआए आशूरा

10 मोहर्रम यानि आशूरा के मौके पर दुआए आशूरा पढ़ी गई। शहर की तमाम मस्जिदों, घरों, मदरसों और इमामबाड़ों में लोगों ने सामूहिक रूप से दुआए आशूरा पढ़ी। दोपहर की नमाज के बाद आशूरा की दुआ पढ़ने के साथ ही अम्नो–अमान की दुआएं की गई और कर्बला के शहीदों को खिराजे अकीदत पेश की गई। इस दौरान बड़ी तादाद में नमाजी इकट्ठा हुए। मोहर्रम की दसवीं तारीख पर शहर में जगह–जगह लंगर रखे गए।

मोहर्रम कमेटी ने किया इस्तकबाल

इमाम हुसैन की याद में मोहर्रम कमेटी गौसिया मस्जिद कैंप–1 में इमामबाड़ा में ताजिया रखा गया और फातिहा ख्वानी हुई। यहां वैशाली नगर थाना प्रभारी ममता अली शर्मा का मोहर्रम कमेटी कैंप–1 के सदर कैप्टन जमाल और एआर सिद्दीकी ने शाल और मोमेंटो देखकर इस्तकबाल किया। इस मौके पर कमेटी की ओर से मिर्जा मुकीम बेग, नियाज अहमद, आरक्षक जुनैद खान, ओवैस सिद्दीकी और अन्य मौजूद थे।

जिला व पुलिस प्रशासन ने की चाक–चौबंद व्यवस्था

मुहर्रम के जुलूस को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन ने चाक–चौबंद व्यवस्था कर रखी थी। पुलिस प्रशासन की ओर से डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर, सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी और सीएसपी छावनी हरीश पाटिल ने मोहर्रम कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद जाफर और चीफ आर्गनाइजर गुलाम सैलानी सहित तमाम पदाधिकारियों के साथ बैठक की और बीती रात तक पूरी व्यवस्था का जायजा लिया।

ग्रामीणों ने उठाया बीएसपी सीएसआर द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 17 जुलाई 2024 को ग्राम कचान्दुर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

ग्राम कचान्दुर में आयोजित चिकित्सा शिविर में डॉ एम सरस्वती, नर्स श्रीमती रेखा देव, सहित बीपी सुगर जांच हेतु फार्मेसिस्ट एस एस गौर, पंजीयन हेतु शंभू दयाल तथा सीएसआर विभाग से रजनी रजक उपस्थित थे। इस शिविर में कुल 44 लोगों की जांच करके उनको दवाईयों का वितरण किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

जिला चिकित्सालय में मिलेगी राजधानी दिल्ली के स्तर की स्वास्थ्य सुविधा 11.75 करोड़ के क्रिटिकल केयर यूनिट की कार्य प्रगति देखने पहुंचे वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 500 बिस्तर वाले जिले के सबसे बड़े अस्पताल शासकीय जिला चिकित्सालय में 11.75 करोड़ की लागत से भवन निर्माण कार्य 18 माह से चल रहा है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से फंड के अभाव में कार्य की गति धीमी हो गई है।

जबकि क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण के बाद 12 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक मशीनरी एवं अन्य व्यवस्थाएं होनी है। जिससे कुल लागत 23.75 करोड़ रुपए से सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य सुविधाओं

के साथ आम जनता को लाभ मिलेगा।

शहर की जनता व आसपास की क्षेत्रों के नागरिकों को गंभीर एवं छिद्रान्वेषण की आवश्यकता वाली बड़ी बीमारियों के लिए जिला मुख्यालय के बाहर भटकना नही पड़ेगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय से पांच मंजिला विश्व स्तरीय 51 बिस्तर अस्पताल का कार्य प्रारंभ कराया गया था कार्य की प्रगति देखने पहुंचे वोरा के साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, स्वास्थ्य विभाग एवं सीजीएमएससी के अधिकारी थे। श्री वोरा ने कहा कि वर्तमान में निर्माणाधीन भवन का भूतल एवं प्रथम तल ही पूरा नहीं हो पाया है जो कि भाजपा सरकार स्वास्थ्य सुविधा के प्रति लापरवाही है इसे जल्द पूरा करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही 25 लाख के टीबी अस्पताल, सीएमओ बिल्डिंग व महिला वर्किंग बिल्डिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है जिसे जल्द ही शुरु करें जिससे जनता को लाभ मिल सके।

रोटरी क्लब ने 80 से अधिक विकलांग व्यक्तियों की सहायता के लिए रोटरी आहार कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रोटरी क्लब ऑफ भिलाई पिनेकल ने गर्व से रोटरी आहार कार्यक्रम का आयोजन किया, जो दिव्यांग व्यक्तियों के समर्थन और उत्थान के लिए समर्पित एक हार्दिक पहल है। शांति नगर में मिशन चैरिटी अस्पताल में आयोजित इस कार्यक्रम में 80 से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया, जो समुदाय के भीतर समावेशिता और करुणा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्लब अध्यक्ष तान्या अग्रवाल के गतिशील नेतृत्व में, क्लब सचिव प्रियंका लूनिया, कार्यक्रम निदेशक दीक्षा अग्रवाल, विभा अग्रवाल, सपना लूनिया, संगीता राजगरिया, शिखा पाटनी, संगीता गर्ग, अंजू रूंगटा की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा। तनुश्री अग्रवाल, दिशा जैन और अंबालिका रोटरी क्लब ऑफ भिलाई पिनाकल के समर्पित सदस्य हैं। इन व्यक्तियों के सामूहिक प्रयासों का समापन खुशी, समर्थन और समुदाय

की मजबूत भावना से भरे दिन में हुआ।

करुणा और देखभाल का दिन

रोटरी आहार कार्यक्रम की कल्पना पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने और दिव्यांग व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साधन के रूप में की गई थी। शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए उचित पोषण के महत्व को पहचानते हुए, रोटरी क्लब ऑफ भिलाई पिनेकल ने यह सुनिश्चित किया कि प्रदान किया गया भोजन न केवल पौष्टिक हो बल्कि लाभार्थियों की विशिष्ट आहार आवश्यकताओं को भी पूरा करे। क्लब अध्यक्ष तान्या अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी सदस्यों और स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। रोटरी आहार के साथ हमारा उद्देश्य हमारे समुदाय के दिव्यांग सदस्यों को अपना समर्थन देना और समावेशिता के महत्व को उजागर करना है। उनके चेहरों पर मुस्कान देखकर और यह जानकर खुशी होती है कि हम उनके जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं, उसने कहा।

सामुदायिक जुड़ाव और भागीदारी

इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और शुभचिंतकों सहित स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए एक साथ आए।

टायफाईड, डेंगू और मलेरिया के मरीजों को देखते हुए जनता से सतर्कता की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बारिश के मौसम में विभिन्न कीटाणुओं और विषाणुओं के संपर्क में आने से अनेक तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जिनकी ओर ध्यान न देने पर गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसून के आगमन के साथ ही शहर में टायफाईड, डेंगू, दस्त–पेचिश और मलेरिया आदि के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। अत: इस्पात नगरी में इन बीमारियों के रोकथाम के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र, जनता से सतर्कता की अपील करता है, कि इन मानसूनी बीमारियों से बचाव के आवश्यक उपायों व तरीकों का गंभीरता से पालन करें।

मानसून के इन्हीं खतरों के दृष्टिगत भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग, नगर सेवाएं विभाग, इन बीमारयों से सुरक्षा हेतु शहरवासियों को जागरूक करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा, इस्पात नगरी में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू आदि की रोकथाम के लिए 15 जून 2024 से सघन अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इस अभियान के तहत, इस्पात नगरी के आवासों का सर्वे, निरीक्षण, दवाओं का

वितरण तथा छिड़काव शुरू हो चुका है। बीएसपी का जन स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक रविवार को ड्राई डे मनाती है, जिसके तहत वे घर–घर जाकर पानी के पात्रों को खाली कर उनकी सफाई व दवाइयों का छिड़काव आदि करती है। इसके अलावा बीएसपी के जन स्वास्थ्य विभाग एवं जिला मलेरिया विभाग, दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से लगातार उनके प्रशिक्षित कर्मचारियों के सहयोग से घर–घर सर्वेक्षण, दवाइयों के वितरण और छिड़काव आदि के कार्य के साथ इस्पात नगरी के नागरिकों को इसके लिए निरंतर जागरूक भी किया जा रहा है। इन बीमारियों से बचाव हेतु इसके कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों की जानकारी होना अति आवश्यक है।

डेंगू एडिस नामक मच्छर के काटने से होती है, जो दिन के समय काटता है, अत: इससे बचाव के लिए मच्छरों से बचने का पूरा प्रबंध करें जैसे मच्छरदानी का उपयोग, शरीर को पूरा ढकने वाले कपड़ों का इस्तेमाल आदि करें। डेंगू के प्रमुख लक्षण अचानक सिर दर्द व तेज बुखार, मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द होना, आँखों के पीछे दर्द होना, जी मिचलाना एवं उल्टी होना तथा गंभीर मामलों में नाक, मुँह, मसूड़ों से खून आना, त्वचा पर चकत्ते उभरना आदि हैं।

डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। डेंगू से बचने के लिए सावधानी ही सुरक्षा है, अत: डेंगू से बचाव के उपायों को अवश्य अपनाएं। जैसे कि कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रिज की ट्रे, फूलदान, इत्यादि को प्रति सप्ताह खाली करें व धूप में सुखाकर प्रयोग करें, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायरों में पानी जमा न होने दें, घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली/परदे लगायें, पैर में मोजे पहने एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

मलेरिया एक गंभीर और कभी–कभी जानलेवा बीमारी है। यह संक्रमित मादा एनाफिलिज मच्छर के काटने से फैलती है। आमतौर पर संक्रमित मच्छर द्वारा काटे जाने के 10–15 दिन बाद इसके लक्षण दिखने लगते हैं। मलेरिया के लक्षणों में तेज बुखार के साथ कपकपी आना, पसीना आना, मतली या उलटी, सिरदर्द, दस्त, थकान महसूस होना, शरीर में दर्द इत्यादि हो सकते हैं। इससे बचने के लिए मच्छरों से बचाव के तरीके अपनाएं व लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आंत्रज्वर जीवन के लिए एक खतरनाक रोग है जो सलमोनेल्ला टायफी नामक जीवाणु (बैक्टीरिया) से होता है, जिसकी संभावना बारिश के मौसम में अत्यंत बढ़ जाती है। इसे मियादी बुखार भी कहा जाता है। यह रोग गंदे हाथों से खाना खाने से, दुषित पानी पीने से दूषित खाना खाने से होता है। टायफायड में दस्त लगना व मल में खून आना, भूख न लगना व कमजोरी आना, पेट पर पित्तिका निकलना, उल्टियां आना, तेज बुखार व सिर में तेज दर्द होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

डेयरी में 15 मवेशी जब्त, निगम ने डेयरी संचालकों को सीमा से बाहर शिफ्ट करने के दिए निर्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम के सभी जोनों द्वारा रहवासी क्षेत्र में संचालित डेयरियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है, ताकि गंदगी और प्रदूषण की जनशिकायतों का निदान किया जा सके। इस क्रम में नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही एवं जोन 5 जोन कमिश्नर विमल शर्मा के नेतृत्व एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक दिलीप भारती, प्रेम मानिकपुरी की उपस्थिति में नगर निगम जोन 5 के अंतर्गत गोवर्धन चौक रहवासी क्षेत्र में संचालित डेयरी संचालक संजय यदु और शत्रुहन यदु की डेयरी पर कार्यवाही कर डेयरी से 15 मवेशियों को जप्त कर लिया गया। सम्बंधित डेयरी संचालकों को 15 दिनों का समय अपनी डेयरी को स्वत: होकर नगर निगम सीमा क्षेत्र के बाहर शिफ्ट करने हेतु नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी और जोन 5 जोन कमिश्नर ने दिया है, अन्यथा की स्थिति में नगर निगम जोन 5 द्वारा अभियान चलाकर डेयरी के मवेशियों को जप्त कर डेयरी को सीलबंद करने की कार्यवाही की जाएगी।

जाति प्रमाणपत्र बनाने पात्र आवेदकों के प्रकरण तत्काल बनाकर भेजने के महापौर के निर्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में नगर निगम अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की सलाहकार समिति की बैठक में विशेष रूप से सम्मिलित होने पहुंचे। बैठक भारसाधक सदस्य सुन्दरलाल जोगी की अध्यक्षता समिति सदस्य पार्षद धनेश बंजारे राजा, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि राधेश्याम विभार, उपायुक्त एवं समिति सचिव कृष्णा खटीक, राजस्व अधिकारी विवेकानंद दुबे, सभी सहायक राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। बैठक में शासन के निर्देश अनुसार जाति प्रमाणपत्र जारी करने के सम्बन्ध में चर्चा एवं विचार -विमर्श किया गया। महापौर एजाज ढेबर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी जोनों से राज्य शासन की नियमावली अनुसार नियमानुसार पात्र सभी आवेदकों के प्रकरणवार प्रस्ताव नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत तत्काल नगर निगम मुख्यालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी के पास भेजा जाना तत्काल सुनिश्चित करें, ताकि राज्य शासन के दिशा -निर्देश अनुसार नियमानुसार सभी पात्र आवेदकों को जाति प्रमाणपत्र बनाकर जारी करने की प्रशासनिक कार्यवाही की जा सके। राज्य शासन की नियमावली अनुसार जाति प्रमाणपत्र बनाकर सभी पात्र आवेदकों को देने के सम्बन्ध में वे कोई भी लापरवाही या हीला-हवाला कदापि सहन नहीं करेंगे। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाना राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन में सुनिश्चित किया जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षाविद् डॉ. हेमलता एस मोहन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.ई.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उक्त बाते शिक्षाविद् डॉ. हेमलता एस मोहन आज रायपुर के राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए कही। यह कार्यशाला स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा अकादमिक सदस्यों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति व्यापक समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने कहा कि आगामी एक वर्ष का कार्य महत्वपूर्ण होने वाला है। विगत छ: माह में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के 30 प्रतिशत् कार्य पूर्ण हो चुके हैं। शेष 70 प्रतिशत् कार्य भी प्रारंभ हो गया है। छत्तीसगढ़ की पुस्तकों को स्थानीय स्तर के अनुकूल बनाना गया है, शिक्षक तभी अच्छे ढंग से पढ़ा पाएंगे जब वे स्वयं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित होंगे। प्रशिक्षण में भी नवाचार को स्थान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य में शाला त्यागी बच्चों से संपर्क कर स्कूल तक वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। उद्घाटन सत्र में जेपी रथ, अतिरिक्त संचालक, एससीईआरटी द्वारा अपने स्वागत भाषण में आगंतुक अतिथियों का परिचय दिया गया।

अतिथि वक्ता महेन्द्र मिश्रा द्वारा बहुभाषावाद और भाषा की शक्ति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत के सभी बच्चों के लिए काम करना हर शिक्षाविद का धर्म होना चाहिए तथा भाषा माध्यम नहीं लक्ष्य होना चाहिए। संचालक एससीईआरटी राजेंद्र कुमार कटारा ने अतिथियों को एससीईआरटी द्वारा प्रकाशित किताबें भेंट की। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर पहला अधिकारिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा संजीव कुमार झा ने कहा कि इस नई शिक्षा नीति में भारत को ग्लोबल स्किल हब बनाने की तैयारी है।

एससीईआरटी के अकादमिक सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें आलोक शर्मा द्वारा पाठ्यक्रम और शिक्षण शास्त्र के अंतर्गत राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा के बारे में विस्तार से बताया गया। सुनील मिश्रा द्वारा प्रारंभिक बाल्यवास्था देखभाल एवं शिक्षा बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। सुश्री आई. संध्या रानी द्वारा विद्यार्थियों के विकास के लिए आकलन, हेमंत कुमार साव द्वारा शिक्षक शिक्षा-शिक्षकों का सतत् व्यावसायिक विकास, डॉ. दीपा दास द्वारा व्यावसायिक शिक्षा, संतोष कुमार तंबोली द्वारा प्रौद्योगिकी का उपयोग ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, प्रशांत पाण्डेय, राज्य साक्षरता मिशन द्वारा उल्लास (प्रौढ़ शिक्षा) पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री कटारा द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यशाला में प्रबंध संचालक पाठ्य पुस्तक निगम कुलदीप शर्मा, एससीईआरटी के समस्त अधिकारी एवं अकादमिक सदस्य, प्रदेश के सभी शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, बीटीआई तथा डाइट के प्राचार्य उपस्थित थे।

सेजबहार जनकल्याण समिति के कार्यों की होगी जांच, अनुबंध होगा निरस्त

सेजबहार कालोनी के रहवासियों की मांग पर हाउसिंग बोर्ड के उपायुक्त ने दिए जांच के आदेश

रायपुर (ए.)। हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेजबहार के रहवासियों ने सोमवार को शंकरनगर स्थित बोर्ड कार्यालय में उपायुक्त संदीप वर्मा से मिलकर सफाई और रखरखाव का काम कर रही सेजबाहर जन कल्याण समिति के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की। रहवासियों की शिकायत को उपायुक्त ने गंभीरता से लेते हुए समिति के कार्यों की जांच कराने के साथ ही अनुबंध निरस्ती की कार्रवाई का आश्वासन दिया।

रहवासियों ने बताया कि 1366 स्वतंत्र मकानों वाले सेजबहार कालोनी के पांच हजार से अधिक रहवासी सालों से चारों तरफ पसरी गंदगी,नाली जाम,पेयजल संकट आदि की समस्या से परेशान है।बारिश में सफाई न होने के कारण जलजनित बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। अगस्त 2020 से कालोनी के रखरखाव, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति का काम विवादित जन कल्याण समिति को बोर्ड के अधिकारियों ने देकर रहवासियों को मुसिबत में डाल दिया है।

समिति के पदाधिकारी केवल लोगों से पानी, सफाई के नाम पर पैसा वसूलने और बोर्ड की खाली पड़ी हुई जमीनों पर कब्जा करने का काम कर रहे है। चार साल बाद भी मात्र 44 लोगों को समिति का सदस्य बनाया गया है और वे ही आपस में गुपचुप तरीके से पदाधिकारियों का चुनाव कर लेते है, जबकि नियमानुसार आबादी के अनुरूप 35 प्रतिशत सदस्य होने चाहिए। समिति ने आय-व्यय का लेखा-जोखा तक सार्वजनिक नहीं किया है। बोर्ड का नियम है कि समिति के कार्य की समीक्षा छह महीने में होना चाहिए जो नहीं हो रहा है।कालोनी के रहवासी सुनील ठाकुर, धनेश दिवाकर, दीपक नायडू, राहुल ठाकुर, विजय गुप्ता आदि ने अधिकारी को शिकायत पत्र सौंपकर समिति का अनुबंध तत्काल निरस्त कर उसके बैंक खातों की जांच करने के साथ ही नए सिरे से समिति का चुनाव बोर्ड के अधिकारियों की निगरानी में कराने की मांग की है।

नगर निगम ने 8 ठेलों को किया जप्त, 4 ठेलों को हटाया

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं जोन 1 जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव के निर्देशानुसार जोन 1 नगर निवेश विभाग के सहायक अभियंता सैय्यद जोहेब सहित सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में जोन 1 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन के तहत खमतराई, भनपुरी की स्कूलों, गुढ़ियारी महावीर नगर स्कूल, मुर्राभट्ठी में विद्याज्योति स्कूल के सामने लगाए गए ठेलों को हटाने और जप्त करने की कार्यवाही अभियान चलाकर की है। लगभग 8 ठेलों को जप्त किया गया एवं 4 ठेलों को स्कूलों के सामने से हटाने की कार्यवाही की गयी है। आयुक्त ने शिक्षण संस्थाओं के सामने से ठेलों को हटाने के निर्देश दिये है।

ग्रामीण विधायक साहू ने सड्डू मीडिल स्कूल में किया पौधरोपण

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने नगर निगम जोन 9 क्षेत्र के तहत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सड्डू मीडिल स्कूल परिसर में 198 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण हितैषी आव्हान पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जारी महाभियान एक पौधा मां के नाम के तहत स्कूल परिसर में एक पौधा मां के नाम रोपित किया ।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड कमांक 8 के पार्षद गोपेश साहू एवं कुशाभाउ ठाकरे वार्ड कमांक 7 की पार्षद श्रीमती सुशीला धीवर सहित जोन 9 अधिकारियों स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों के साथ एक पौधा मां के नाम रोपित कर समाज हित में पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण अभियान चलाया।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने पार्षद गोपेश साहू श्रीमती सुशीला धीवर की उपस्थिति में सड्डू मीडिल स्कूल परिसर में 5 लाख रू. की स्वीकृत लागत से प्रसाधन व्यवस्था देने शौचालय निर्माण कार्य करने श्रीफल फोडकर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन कर कार्यारंभ किया एवं जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता के.के. शर्मा, पदमाकर श्रीवास, सहायक अभियंता अंशुल शर्मा, उपअभियंता अतुल बंसल को सतत मॉनिटरिंग कर स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षको को शीघ्र प्रसाधन व्यवस्था उपलब्ध करवाने शौचालय निर्माण तय समय सीमा के भीतर सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने सड्डू मीडिल स्कूल परिसर में शाला प्रवेश उत्सव आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया एवं वार्ड पार्षद गोपेश साहू एवं सुशीला धीवर के साथ मिलकर मीडिल स्कूल के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं बुके देकर शाला में आत्मीय स्वागत किया एवं उन्हें नये शिक्षा सत्र सफलता हेतु अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर की बैठक

■ राज्य स्तरीय समारोह प्रातः 9 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में होगा

रायपुर। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आज स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड रायपुर में प्रात: 9 बजे से आयोजित होगा एवं समस्त कार्यालयों में प्रात: 07:30 बजे तथा कलेक्टोरेट में प्रात: 08 बजे ध्वजारोहण होगा। कलेक्टोरेट में जिला स्तरीय पुरस्कार का वितरण किया जाएगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभित्र व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा। जिसमें पुलिस, सशस्त्र बल और एनसीसी, छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम के दौरान यातायात पार्किंग ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा की जाएगी। बारिश को देखते हुए समारोह स्थल पर वाटर प्रूफ पंडाल लगाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि पुलिस परेड ग्राउंड में साफ-सफाई, पेय जल तथा महिला पुरुष के लिए पृथक शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था नगर निगम रायपुर द्वारा की जाएगी।

समारोह में परेड के लिए उपस्थित एन. सी. सी., एन. एस. एस., स्काउट गाईड छात्रों के लिए मिष्ठान एवं अतिथियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था खनिज विभाग द्वारा किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया जाए एवं स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला जाए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिले के ऐसे परिवार जिनके सदस्य नक्सली/ आतंकवादी हिंसा या अन्य किसी कारण से देश सेवा में शहीद हुए हों उनको कार्यक्रम में ससम्मान आमंत्रित किया जाए।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/ कर्मचारी को सम्मानित किया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल 13 अगस्त को प्रात: 08:30 बजे किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए प्रारंभिक तैयारी करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए। बैठक में नगर पालिक निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप शामिल हुए।

सीसीटीवी कैमरों से आवारा मवेशियों की आयुक्त ने की मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा पुराना बस स्टैण्ड मल्टीलेवल पार्किंग के तृतीय तल पर स्थित आईटीएमएस (इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) दक्ष सेन्टर पहुंचे एवं वहां लगे सीसीटीवी कैमरों से शहर से विभिन्न मार्गो में आवारा मवेशियों की मॉनिटरिंग की। नगर निगम रायपुर ने जनसुविधा हेतु आवारा मवेशी धरपकड़ के लिये हेल्पलाईन नंबर 6269066630 या 6269066612 जारी किए है। इन पर नागरिकों द्वारा आवारा मवेशियों की शिकायते दर्ज करवायी जा रही है। इन शिकायतों को तत्काल आयुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम के हेल्थ वाट्सएप ग्रुप में लोकेशन एवं शिकायतकर्ता के मोबाईल नंबर सहित भेजा जा रहा है और तत्काल संबंधित क्षेत्र के स्वास्थ्य विभाग की टीम काउकेचर वाहन और विशेष टीम के श्रमवीरों की सहायता से संबंधित मार्गो में पहुंचकर आवारा मवेशियों को हटाने का कार्य अभियान पूर्वक जनहित में कर रही है ताकि किसी भी तरह की परेशानी को रोका जा सके।

आयुक्त अबिनाष मिश्रा ने स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही सहित सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को आवारा मवेशी धरपकड़ हेल्प लाईन नंबर में कॉल सेंटर में आ रहे और तत्काल निगम हेल्थ वाट्सएप ग्रुप में भेजे जा रहे नागरिकों के मोबाईल नंबर लोकेशन पर तत्काल पहुंचकर मार्गों से आवारा मवेशियों को हटाने निर्देशित किया है ताकि नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी न होने पाए।

उच्च न्यायालय के आदेशानुसार राज्य शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार सभी जोनों की काउकेचर टीम राजधानी शहर नगर निगम क्षेत्र के मार्गों से आवारा मवेशियों की धरपकड़ का अभियान प्रतिदिन नियमित रूप से सतत जारी है। जोन 10 की टीम ने आज देवपुरी मेन रोड में 15 और द्रोणाचार्य स्कूल मार्ग से लालपुर मार्ग तक 4 कुल 19 आवारा मवेशियों को मार्गों से हटाकर गोकूल नगर गौठान भेजा। जोन 4 की टीम ने वार्ड 57 में 3 वार्ड 45 में 2 वार्ड 44 में 2 कुल 7 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की एवं संबंधित पशु मालिकों पर सड़क पर आवारा मवेशी छोड़ने कुल 1500 रुपए का जुर्माना उन्हें भविष्य के लिये कड़ी चेतावनी देते हुए वसूला। जोन 6 की टीम ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 के क्षेत्र में 5 आवारा मवेशियों की धरपकड़ मार्गो से करते हुए उन्हें गोकूल नगर गौठान भेजा ।

आवारा मवेशी धरपकड़ हेल्प लाईन में नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग की काउकेचर टीम ने शहीद भगत सिंह चौक एवं श्याम नगर मार्ग से आवारा मवेशियों को विशेष टीम भेजकर तत्काल हटाया एवं नागरिकों को राहत दिलवाई। इसी प्रकार पहाड़ी चौक के आगे मार्ग पर 5-6 गायों, गीता नगर भनपुरी में 10 गायों, कुशालपुर बाजार चौक के पास 10-12 गायों, चंगोराभाठा मुस्कान रेसीडेंसी के पास 7-8 गायों, झंडा चैक सांई मंदिर के पास गायों के झुण्ड, ललित महल के सामने हाईवे मार्ग पर 6-7 गायों, अवधपुरी कालोनी में 8-10 गायों, आदर्ष विहार कालोनी मं 5 गायों, 2 भैस, विजय नगर से महामाया मंदिर तक 8-10 गायों, सुन्दरनगर फुटबाल मैदान के पास 10-12 गायों, गुढ़ियारी हमर अस्पताल के पास से मंगलम भवन तक गायों के झुंड, श्रीनगर शिवानंद नगर गणेश मंदिर के पीछे 5-7 गायों का झुंड होने की जनशिकायतों को शिकायतकर्ता के मोबाईल नंबर लोकेशन सहित आईटीएमएस ऑनलाईन मॉनिटरिंग सिस्टम से प्राप्त फोटो इमेज सहित तत्काल आयुक्त के निर्देश पर निगम हेल्थ वाट्सएप ग्रुप में भेजा गया। जिस पर संबंधित जोन स्वास्थ्य अधिकारियों ने तत्काल काउकेचर वाहन एवं विशेष टीम के श्रमवीरों को भेजकर आवारा मवेशियों को संबंधित सड़क मार्गों से हटाकर नागरिकों को त्वरित राहत दिलवाई गई।

जाह्नवी बकरी बन करेंगी शहर से दुश्मनों का सफाया

■फिल्म में भी नेपोटिज्म का हुई शिकार

जाह्नवी कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'उलझ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 2 मिनट 23 सेकेंड का यह ट्रेलर आपको एक अलग दुनिया में ले जायेगा, जिसकी कहानी विश्वासघात और साजिश के इर्द-गिर्द घूमती है। ट्रेलर में फैंस जाह्नवी की एक्टिंग और अलग अवतार की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, उनकी डायलॉग डिलीवरी भी ऑन पॉइंट है। ऐसे में आइए जानते हैं कि ट्रेलर में ऐसा क्या खास है, जिसकी दर्शक तारीफ करते नहीं थक रहे।

उलझ के ट्रेलर में जाह्नवी कपूर युवा हाई डिप्टी कमिश्नर, सुहाना भाटिया का किरदार निभा रही हैं, जिनपर काफी कम उम्र में इतना ऊंचा मुकाम हासिल करने की वजह से नेपोटिज्म का आरोप लगता है। इसकी वजह से उन्हें काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ता है, जैसे देश द्रोही का इल्जाम लगना, जान खतरे में होना। वहीं, ट्रेलर में जाह्नवी के अलावा ट्रेलर में गुलशन देवैया, मेयांग चांग और रोशन मैथ्यू भी नजर आ रहे हैं। इन एक्टर्स की एक्टिंग और एक्सप्रेसशन बिलकुल परफेक्ट हैं।

क्या है उलझ की कहानी?

उलझ की कहानी की बात की जाए तो फिल्म में जाह्नवी खुद पर लगे इल्जामों को मिटाने और अपनी आइडेंटिटी को बचाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करती हैं। ट्रेलर के आखिर में एक डायलॉग आता है, जो आपको फिल्म देखने पर मजबूर करने वाला है। दरअसल, जाह्नवी कपूर कहती हैं कि, मुझे किसी बली की बकरी की तरह फंसाया गया है। जिसपर उनसे सवाल किया जाता है कि तो ये बकरी क्या करेगी? सुहाना बनी जाह्नवी इसपर कहती हैं कि- 'पूरा का पूरा शहर खा जाएगी।'

कब आ रही है जाह्नवी की उलझ?

जाह्नवी कपूर की उलझ 2 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में बाजा फाड़ एंट्री लेने आ रही है। फिल्म का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है। वहीं, फिल्म के स्टार कास्ट की बात करें तो जाह्नवी कपूर के साथ-साथ गुलशन देवैया, मेयांग चांग, राजेंद्र गुप्ता, आदिल हुसैन और रोशन मैथ्यू भी नजर आएंगे। अब यह देखना काफी एक्ससाइटिंग होगा कि यह बकरी बॉक्स ऑफिस पर कितनी तबाही मचाती है।

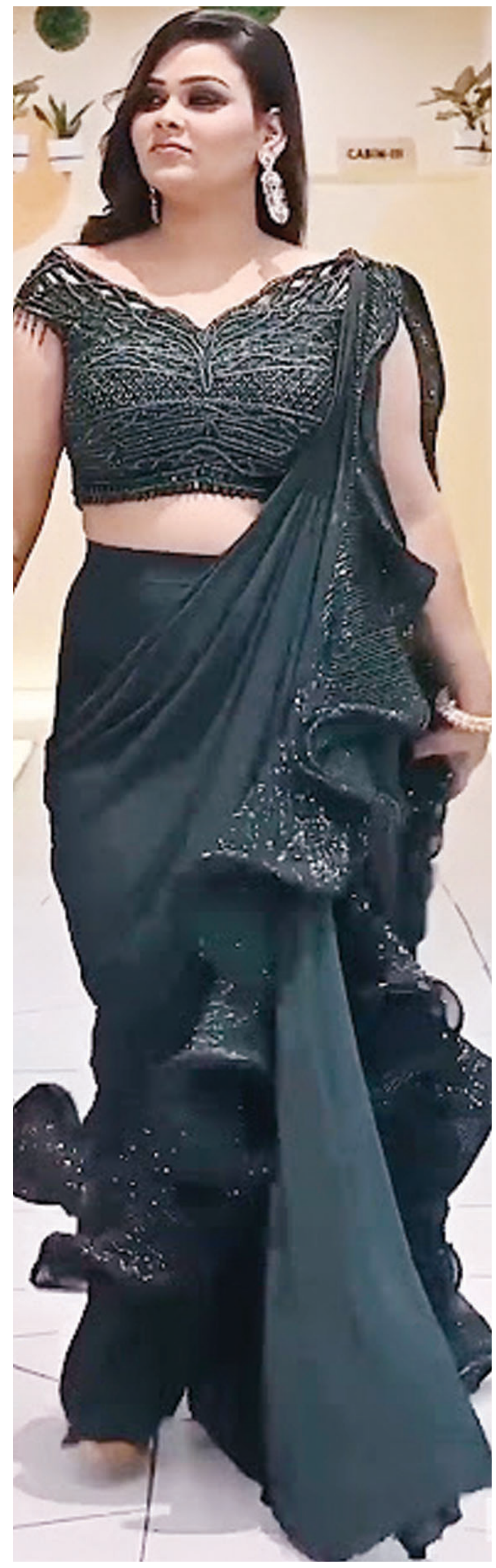

नाभा नटेश व प्रियदर्शी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म डार्लिंग 19 जुलाई को रिलीज होगी

स्टार निर्माताओं ने डार्लिंग एपी के अधिकार हासिल किए। नाभा नटेश और लोकप्रिय कॉमेडियन प्रियदर्शी की रोमांटिक कॉमेडी डार्लिंग अपने विचित्र हास्य और जीवंत ऊर्जा से दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में सेंसर की औपचारिकताएं पूरी करने वाली यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

उत्साह को बढ़ाते हुए, टॉलीवुड के प्रमुख निर्माता और वितरक सुरेश बाबू और एशियन सुनील ने आंध्र प्रदेश के लिए सिनेमाघरों में रिलीज के अधिकार हासिल कर लिए हैं, जिससे पूरे राज्य में व्यापक और प्रभावशाली रिलीज सुनिश्चित होगी।

टॉलीवुड इंडस्ट्री की दो प्रमुख हस्तियों द्वारा इस प्रोजेक्ट का समर्थन किए जाने के कारण, डार्लिंग चर्चा का विषय बनने जा रही है। इस फिल्म में अनन्या नागल्ला, ब्रह्मानंदम और मुरलीधर गौड़ जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

प्राइमशो एंटरटेनमेंट के बैनर तले अश्विन राम द्वारा निर्देशित और के निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी द्वारा निर्मित, डार्लिंग मनोरंजन और हास्य का अनूठा मिश्रण पेश करती है। विवेक सागर द्वारा रचित फिल्म का साउंडट्रैक कहानी में आकर्षण की एक और परत जोड़ने की उम्मीद है।

होनहार कलाकारों, एक मजबूत प्रोडक्शन टीम और इंडस्ट्री के दिग्गजों के समर्थन के साथ, डार्लिंग बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो अपने हल्के-फुल्के आकर्षण से दर्शकों को लुभाएगी।

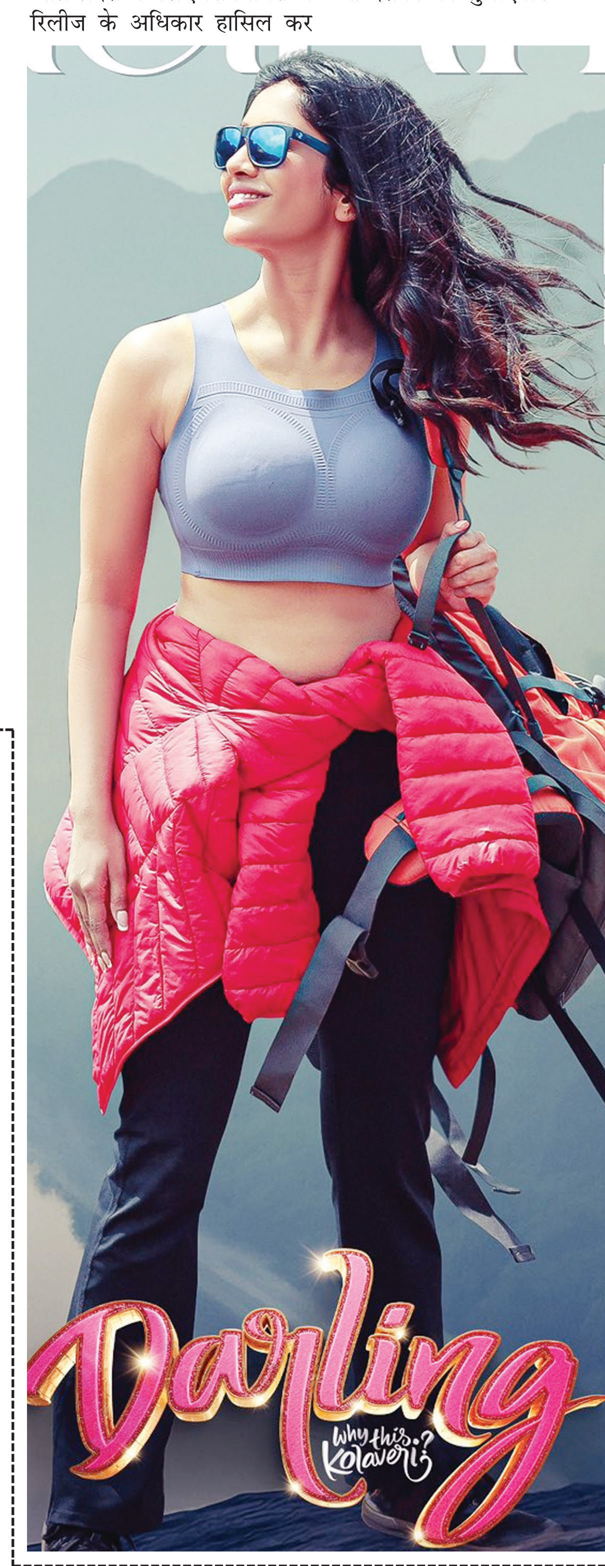

कृतिका मलिक ने नॉमिनेशन पर नेजी को कहा बेवकूफ

बिग बॉस ओटीटी 3 में रैपर नेजी ने हाउसमेट कृतिका मलिक को अनएक्सपेक्टेड नॉमिनेशन टास्क में नॉमिनेट किया, इसके बाद कृतिका नेजी पर अपनी भड़ास निकालती नजर आईं। यह सब शो के आगामी एपिसोड में नजर आएगा। चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में कैप्शन दिया गया है, अनएक्सपेक्टेड नामांकन? नेजी ने क्यों किया कृतिका को नॉमिनेट?

प्रोमो की शुरुआत में कृतिका रैपर नेजी को बेवकूफ कहती नजर आती हैं। कृतिका ने कहा, 11 लोगों के बीच में जो सबसे बेवकूफ आदमी है, वो यह (नेजी) है। उन्होंने कहा: थोड़ी देर में कहेंगे, सॉरी कृतिका जी मुझे उस समय जो लगा मैंने कर दिया।

इस पर नेजी ने कहा कि वह सोच रहे थे कि उन्हें वही करना चाहिए जो वह काफी समय से करना चाहते थे। कृतिका ने कहा, यहां मैं नेजी भाई का इतना ध्यान रखती हूं, यहां किसी लड़के का नहीं रखा। कृतिका ने आगे कहा कि आज के बाद बोलना मत की कॉफी या चाय दे दो। इस पर नेजी कहते नजर आते है कि आपने इस वजह से कनेक्शन बनाया था?

इस बीच कृतिका के पति अरमान मलिक इस लड़ाई में कूद पड़ते हैं। अरमान ने कहा कि पूरा घर जानता है कि कितना काम करने वाला है तू, अपने में बदलाव ला, तू किसी के लिए कुछ नहीं करता। अपनी दोस्त सना मकबूल से बात करते हुए नेजी ने कहा कि वह कुछ अलग करना चाहते हैं। नेजी ने कहा, कुछ अनप्रिडिक्टेबल करना था मुझे। मजा आना चाहिए... गेम होना चाहिए, यहां चाय पीने नहीं आए हैं।

मोनालिसा ने पिंक आउटफिट में गिराई बिजली

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का बढ़ाया तापमान

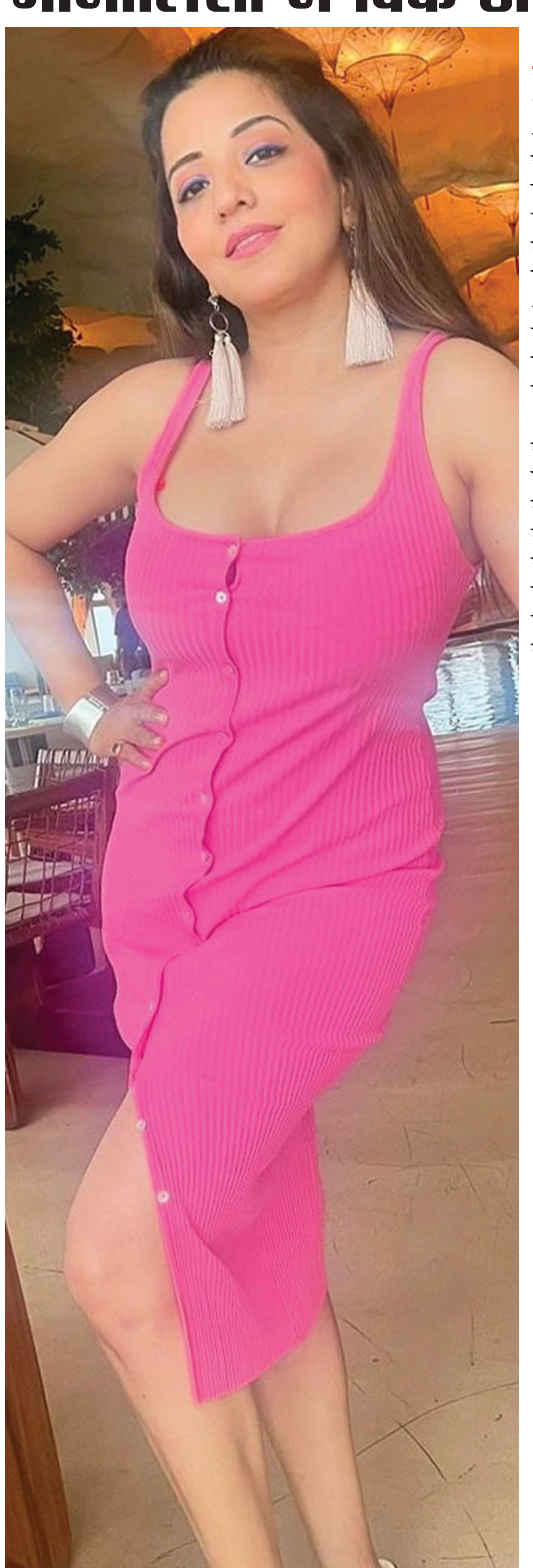

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर नई सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वे पिंक ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में मोनालिसा खुले बालों और लाइट मेकअप के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनके साथ उनकी 2 फीमेल दोस्त भी नजर आ रही हैं। मोनालिसा का यह लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेयर कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर लोगों के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।

एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी इन फोटोज में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके स्टनिंग लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

इन तस्वीरों पर उनके फैंस ने जमकर लाइक्स और कमेंट किए हैं। कुछ फैंस ने उनके लुक की तारीफ की है तो वहीं कुछ ने उनके साथ वाली दो फीमेल दोस्त के बारे में भी पूछा है।

कमर के दर्द से परेशान हैं तो जरूर करें ये चार एक्सरसाइज, तुरंत मिलेगा छुटकारा

कमर का दर्द बहुत लोगों की आम समस्या है। अगर आप भी इस दर्द से परेशान हैं, तो कुछ एक्सरसाइज से आपको आराम मिल सकता है। रोजाना इन एक्सरसाइज को करने से आपकी कमर की मांसपेशियां मजबूत होंगी और दर्द कम होगा। यह एक्सरसाइज करना आसान है और आप इन्हें घर पर ही कर सकते हैं। आइए, जानते हैं चार ऐसी एक्सरसाइज के बारे में जो कमर दर्द से राहत दिलाने में मददगार हैं।

घुटने से छाती तक खींचना

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब एक पैर को घुटने से मोड़ें और उसे अपने छाती की ओर खींचें। इस स्थिति में 20 सेकंड तक रहें और फिर आराम से वापस आ जाएं। इसी प्रक्रिया को दूसरे पैर के साथ दोहराएं। यह एक्सरसाइज आपकी कमर की मांसपेशियों को खींचती है और दर्द को कम करती है।

कैट-काऊ स्ट्रेच

यह योगासन आपकी कमर और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। इसे करने के लिए, सबसे पहले चौकोर स्थिति में बैठ जाएं। अब अपनी पीठ को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं (कैट पोज) और फिर नीचे की ओर झुकाएं (काऊ पोज)। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे करें और 10 बार दोहराएं।

कोबरा स्ट्रेच

इस एक्सरसाइज को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं और अपने हाथों को कंधों के पास रखें। अब धीरे-धीरे अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं। ध्यान रखें कि आपकी कोहनियां मुड़ी हुई हों और गर्दन को ज्यादा पीछे न खींचें। इस स्थिति में 15-20 सेकंड तक रहें। फिर धीरे-धीरे वापस नीचे आ जाएं और थोड़ी देर आराम करें। इस एक्सरसाइज को 10-15 बार दोहराएं। यह एक्सरसाइज आपकी कमर के निचले हिस्से को मजबूत करती है और दर्द में आराम देता है।

ब्रिज पोज

पीठ के बल लेट जाएं और अपने घुटनों को मोड़ें। अपने पैरों को जमीन पर सपाट रखें। अब धीरे-धीरे अपने कूल्हों को ऊपर उठाएं, ताकि आपके शरीर का वजन आपके कंधों और पैरों पर आ जाए। इस स्थिति में 15-20 सेकंड तक रहें। फिर धीरे-धीरे वापस नीचे आ जाएं और थोड़ी देर आराम करें। इस एक्सरसाइज को 10-15 बार दोहराएं। यह एक्सरसाइज आपकी कमर के निचले हिस्से को मजबूत करती है और दर्द में राहत देती है। इसे रोजाना करने से आपकी कमर की मांसपेशियां भी मजबूत होंगी।

क्या आपको भी है ज्यादा नमक खाने की लत, जानें यह कैसे तबाह कर देता है आपकी जिंदगी?

जैसे जीने के लिए सांसों की जरूरत होती है, उसी तरह खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए नमक भी जरूरी होता है। नमक एक ऐसी चीज है, जो हमारे शरीर में फ्लूड बैलेंस, नर्व फंक्शन और मसल्स के काम करने के लिए बेहद जरूरी होता है। अगर हमारे शरीर में नमक यानी सोडियम की कमी हो जाती है तो कई बेसिक फंक्शन जैसे नर्व के सिग्नल ट्रांसमिशन और ब्लड प्रेशर को बरकरार रखने आदि अटक सकते हैं।

इतिहास में भी बेहद खास रहा नमक

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इतिहास में भी नमक बेहद खास माना गया है। दरअसल, जब दुनिया में फ्रिज यानी रेफ्रिजरेटर ईजाद नहीं हुआ था, जब खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नमक ही इस्तेमाल किया जाता था। इसके अलावा एक दौर ऐसा भी रहा, जब नमक को करेंसी की तरह भी यूज किया गया। हकीकत में सैलरी शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द सैलेरियम से हुई है, जिसका मतलब सैलरी भी होता है। प्राचीन रोम में रोमन सैनिकों को मिलने वाली सैलेरियम हकीकत में नमक होता था, जो उस वक्त बेहद कीमती और जरूरी चीज माना जाता था।

कितना नमक खाना सही?

अब सवाल उठता है कि इंसान को कितना नमक खाना चाहिए, जिससे उसकी तबीयत न बिगड़े। जैसे नमक हमारे लिए फायदेमंद है, उसकी तरह ज्यादा नमक खाने से सेहत संबंधित कई दिक्कतें हो सकती हैं। चीनी की तरह नमक की भी लत लग सकती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि रोजाना कितना नमक खाना चाहिए और इससे हमारे आंत माइक्रोबायोम पर क्या असर पड़ता है?

हमारी डाइट और सेहत के लिए नमक कितना जरूरी?

हमारी डाइट में नमक डालने का मकसद खाने का स्वाद बढ़ाना होता है। यह हमारे खाने को स्वादिष्ट बनाता है और शरीर को जरूरी सोडियम और क्लोराइड मुहैया कराता है। बता दें कि नमक कई तरह के होते हैं, जिनमें गुलाबी नमक और काला नमक आदि शामिल होते हैं। नमक से हमारे शरीर को कई अन्य मिनरल्स भी मिलते हैं, लेकिन उनकी मात्रा काफी कम होती है। अगर हम ज्यादा नमक खाते हैं तो शरीर में सोडियम और क्लोराइड का लेवल बढ़ सकता है, जो कई अंगों के लिए नुकसानदायक होता है। इसके अलावा ज्यादा नमक की वजह से हाइपरटेंशन की दिक्कत भी बढ़ती है।

अचानक नमक खाना बंद कर देंगे तो क्या होगा?

इस मामले में कानपुर बेस्ड डाइटिशियन पायल ओमार ने बताया कि अगर हम रोजाना सभी फूड ग्रुप मिलाकर बैलेंस्ड डाइट लेते हैं तो हमें एक्स्ट्रा नमक खाने की जरूरत नहीं होती है, क्योंकि बैलेंस्ड डाइट से ही हमें रोजाना 500 मिलीग्राम सोडियम मिल जाता है। दरअसल, अपने टेस्ट बड्स की वजह से हम काफी समय से नमक खा रहे होते हैं, जिसके चलते शरीर नमक के सेवन को एक्सेप्ट कर लेता है। अगर हम अचानक नमक खाना छोड़ देते हैं तो इससे हमारे शरीर में कुछ बदलाव नजर आ सकते हैं।

खास खबर

संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में नि:शुल्क अध्ययन का अवसर

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग की पहल पर दंतेवाड़ा जिले के 12वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के सुनहरे भविष्य के लिये जिला प्रशासन द्वारा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में नि:शुल्क अध्ययन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। जिस तारतम्य में जिले के विभिन्न संस्थाओं से इच्छुक 25 छात्र/छात्राओं ने खैरागढ़ में विभिन्न विधाओं में अध्ययन करने हेतु अपनी रूचि व्यक्त की थी। इन 25 छात्र/छात्राओं को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में प्रवेश दिलवाने के लिए अभिरूचि परीक्षण को उत्तीर्ण करने के लिए आवश्यक तैयारी जिले प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा करवायी गई जिसमें इन 25 छात्र/छात्राओं को विभिन्न विधाओं की तैयारी कराये जाने हेतु आस्था विद्या मंदिर जावंगा में दिनांक 18 जून 2024 से 03 जुलाई 2024 तक आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया गया था। जिसमें विभिन्न विधाओं जैसे गायन, वादन, नृत्य, फाईन आर्ट्स कला से संबंधित मूलभूत प्रशिक्षण संगीत एवं कला के शिक्षकों द्वारा दिया गया था ह्व जिसके फलस्वरूप दिनांक 16/07/2024 को घोषित प्रथम अभिरूचि परीक्षण परिणाम की प्रथम सूची में जिले के 13 छात्र/छात्राओं ने अपना स्थान बनाया।

रिमझिम बारिश में कलेक्टर - एसपी ने चिंगरापगार जलप्रपात स्थल का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। प्राकृतिक और वनांचल क्षेत्रों से आच्छादित गरियाबंद जिले के राजिम गरियाबंद मार्ग में स्थित बारूका गांव में चिंगरापगार जलप्रपात पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। जलप्रपात स्थल को पर्यटकों के सुविधा के लिए व्यवस्थित करने, आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने तथा प्राकृतिक स्थल में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर दीपक अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले ने आज चिंगरा पगार जलप्रपात स्थल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रिमझिम बारिश के बीच वहां आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था एवं पर्यटकों की सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर अग्रवाल ने पर्यटन स्थल को प्राकृतिक रूप में रखने, दूषित नहीं करने एवं साफसफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के मौसम में जलप्रपात स्थल में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पर्यटकों के गाड़ियों के लिए व्यवस्थित पार्किंग, चेंजिंग रूम, नदी के दोनो किनारे रस्सी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटकों से अधिक जल भराव की स्थिति एवं पत्थरों से सावधानी बरतने की भी अपील की।

शिशु संरक्षण माह विटामिन ए अनुपूरक कार्यक्रम कल से

महासमुन्द । जिले में शिशु संरक्षण माह विटामिन ए अनुपुरक कार्यक्रम 19 जुलाई से 23 अगस्त 2024 तक आयोजित किया जाएगा। डॉ. पी. कुदेशिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान 09 माह से 05 वर्ष के आयु वर्ग वाले बच्चों को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण सत्र के दौरान वर्ष में दो बार विटामिन-ए अनुपूरक, 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को आई.एफए. सिरप प्रदान किया जाना, 05 वर्ष तक के बच्चों का वजन लिया जाना, प्रसव पश्चात् स्तनपान के विषय में संवर्धन हेतु प्रचार-प्रसार एवं परामर्श गतिविधियों का आयोजन, अभियान के दौरान स्तनपान के साथ-साथ 06 माह पश्चात् आयु के अनुरूप आहार की जानकारी प्रदान करना, कुपोषित बच्चे जो अति गंभीर कुपोषित की श्रेणी में है उन्हें चिन्हांकित कर पोषण पुनर्वास केन्द्रों में आहार की प्रदायगी सहित संक्रमण के उपचार हेतु भर्ती किया जाना आदि गतिविधियों संचालित की जाएगी। प्रत्येक टीकाकरण केन्द्रों में मंगलवार एवं शुक्रवार को प्रात: 9.00 बजे से 4.00 बजे तक सेवाएं प्रदान की जाएगी। शिशु संरक्षण माह में जिले के 9 माह से 5 वर्ष तक के 99241 बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाने तथा 06 माह से 05 वर्ष तक के 106674 बच्चों को आई.एफए. सिरप की खुराक दी जाएगी। डॉ. पी. कुदेशिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने लोगों से शिशु संरक्षण माह में मातृ एवं शिशु कल्याण सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

जल है तब तक जीवन है, वृक्ष है तब तक जीवन है - डॉ. रमन सिंह

- विधानसभा अध्यक्ष ने गांधी सभागृह परिसर में अपनी मां के नाम लगाया बरगद का पौधा
- विधानसभा अध्यक्ष ने नगरवासियों को 300 से अधिक पौधों का किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा गांधी सभागृह में आयोजित एक पेड़ मां के नाम के तहत चलव बनाबो हरियर राजनांदगांव कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नगरवासियों को 300 से अधिक फलदार, छायादार और सुंगधित फूल के पौधों का वितरण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने गांधी सभागृह परिसर में अपनी माँ स्वर्गीय सुधा देवी सिंह के नाम बरगद का पौधरोपण किया। इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय उपस्थित थे। सांसद संतोष पाण्डेय ने भी अपनी माँ के नाम पर पौधा लगाया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पूरे देश में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत अच्छा कार्य किया जा रहा है। जल है तब तक जीवन है, वृक्ष है तब तक जीवन है। इसलिए जल संरक्षण एवं वृक्ष लगाना हमारे लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक चिंता में है। विश्व में पर्यावरण संरक्षण की ही बात की जा रही है। विश्व में जल संरक्षण एवं ओजोन परत में क्षति और कार्बन उत्सर्जन सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पेड़ काटने से मौसम में परिवर्तन आया है। जहां बारिश हुई तो बहुत होती है, नहीं तो महीने भर बारिश नहीं होती है। प्रकृति का नया-नया रूप देखने को मिल रहा है, उसके लिए हम सभी दोषी है। जंगल को कटने से बचाना है। उन्होंने कहा कि दुनिया के चारों तरफ समुद्र का पानी है। दुनिया में जितना पानी उपलब्ध है। उसका सबसे बड़ा हिस्सा 94 प्रतिशत पानी समुद्र के हिस्से में हैं। जिसका उपयोग पीने, खेती एवं अन्य उपयोग में नहीं ला सकते हैं। पृथ्वी के नीचे और नदियों, तालाबों का पानी रिसायकल होकर गिरता है। उन्होंने बताया कि 0.5 प्रतिशत ही पानी इस दुनिया के लिए उपयोगी है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज जब वृक्षारोपण की बात हो रही है। एक पेड़ अपनी माँ के नाम से लगाने से निश्चित रूप से भावनात्मक रूप से हम जुड़े हैं। उस प्रकृति से जुड़ने और बचाने के लिए हमारी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके लिए हम सब का योगदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां से हम सभी एक-एक पेड़ ले जाएंगे और उचित स्थान में लगाएंगे। माँ के नाम पेड़ है तो इसलिए उसका रक्षा का दायित्व और कर्तव्य भी है। उसे हर साल बढ़ते हुए देखेंगे तो आपके जीवन में खुशहाली आएगी और माँ का आर्शीवाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम पेड़ आने वाली पीढ़ी के लिए लगाते हैं। किसी पीढ़ी ने पेड़ लगाया उसका फल आज हम ले रहे हैं। आप जो पेड़ लगाएंगे उसे आने वाली पीढ़ी आपको धन्यवाद देगी। इसकी शुरूआत हुई है, यह सतत चलता रहे। हमारा राजनांदगांव हरा-भरा रहे और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर हो, इस दिशा में हम सब मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के साथ विदेशों में होने वाले सभी कार्यक्रम में विश्व को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्व को बताया कि भारत पूरी धरती को कुटुम्ब मानती है और पूरा विश्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री की जलवायु परिवर्तन व विविधता के विषय में चिंतन एवं वनों के संबंध में उनके विचारों को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एक पेड़ माँ के नाम पर लगा रहा है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति के साथ समरसता रही है और इसके बिगड़ने पर देश व विश्व में विकृति आयी है। भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधों, पशु-पक्षी, शिलाओं में जड़-चेतन की बात कही गई है और पूजा जाता रहा है। सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि एक पेड़ से फल, फूल, छाया मिलती है और पेड़ों पर पक्षियों के लिए आशियाना भी बनता है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान से आज फिर से अपनी माँ को याद करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि हम रहे या न रहे लेकिन एक पेड़ से हम हमेशा याद किए जाएंगे।

इस अवसर पर पूर्व सांसद मधुसूदन यादव,खूबचंद पारख, नीलू शर्मा, भरत वर्मा, दिनेश गांधी, संतोष अग्रवाल, रमेश पटेल, राजेन्द्र गोलछा, कोमल सिंह राजपूत, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम किशुन यदु, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह, निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता, नगर निगम राजनांदगांव के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण, नगर निगम राजनांदगांव के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आत्मा और रीढ़ : चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था की आत्मा और किसान को रीढ़ करार देते हुए कहा कि देश में सीमांत किसानों और छोटी जोत के किसानों के लिए मॉडल फॉर्म बनाने की ज़रूरत है। श्री चौहान ने मंगलवार को यहां 96वें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस 2024 का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। किसान एवं खेती प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कृषि विविधिकरण से किसानों की खेती में आय बढ़ाना संभव है और सरकार इसी संकल्प के साथ काम कर रही हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं राम नाथ ठाकुर, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्रालय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) हिमांशु पाठक भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर फसलों की 25 किस्में जारी की गयी और कुछ उत्पाद किसानों को समर्पित किये गये। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कई प्रकाशन का विमोचन भी किया गया। श्री चौहान ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने में कृषि और कृषि संबंधित क्षेत्र ही महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

श्री रामलला दर्शन योजना : सरगुजा अंचल से 850 श्रद्धालु हुए अयोध्या धाम के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार द्वारा शुरू की गई श्रीरामलला दर्शन योजना को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह का माहौल है। सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर आज विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई।

इस विशेष ट्रेन को सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक राजेश अग्रवाल और प्रबोध मिंज ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालु अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पर भजन गाते हुए विशेष ट्रेन में सवार होकर रवाना हुए। सभी श्रद्धालुओं की रामलला के दर्शन की अभिलाषा पूरी होने जा रही है।

ये श्रद्धालु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति दिल से आभार व्यक्त कर रहे थे। श्रद्धालुओं का कहना था कि मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया है और सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना से अयोध्या जाने की उनकी इच्छा पूरी हो रही है। यह उनका सौभाग्य है।

श्रीरामलला दर्शन योजना

अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन में सरगुजा संभाग के सभी 06 जिलों जशपुर से 204, सूरजपुर से 147, कोरिया से 108, बलरामपुर से 164, और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से 57 श्रद्धालु और 170 अनुरक्षक भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।

अमरनाथ यात्रा : 18 दिनों में 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा जारी है और श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर उत्साह भी बरकरार है। जानकारी के अनुसार, यात्रा के शुरू होने के बाद से अब तक 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। वार्षिक यात्रा का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि 29 जून को यात्रा शुरू होने के बाद से पिछले 18 दिनों में 3.38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा मंदिर के अंदर दर्शन किए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 3,740 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, आज सुबह 3,740 यात्रियों को लेकर बसें जम्मू के भगवती नगर से घाटी के लिए रवाना हुई है। इस काफिले में सुरक्षा के मद्देनजर दो टीमें भी साथ हैं। इनमें से पहला सुरक्षा काफिला 55 वाहनों में 1,435 यात्रियों को लेकर सुबह 3:05 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

उन्होंने बताया कि 72 वाहनों में 2,305 यात्रियों को लेकर दूसरा काफिला सुबह 3:55 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ है। इस साल की यात्रा शुरू होने के बाद पहली बार अधिकारी बीमार यात्रियों के इलाज के लिए एक अनूठी टट्टू एंबुलेंस सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

दरअसल, इस एंबुलेंस सेवा का बालटाल और पहलगाम यात्रा मार्गों पर यात्रियों को ऊंचाई से होने वाली बीमारी या अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इस एंबुलेंस सेवा का इस्तेमाल करते हुए स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर और पैरामेडिक्स ने अब तक दोनों यात्रा मार्गों पर 1,200 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया है।

बता दें कि गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है, जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग या उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

पहलगाम-गुफा मंदिर की दूरी 48 किलोमीटर लंबी है और तीर्थयात्रियों को मंदिर तक पहुंचने में चार से पांच दिन लगते हैं। बालटाल-गुफा मंदिर की दूरी 14 किलोमीटर लंबी है और तीर्थयात्रियों को दर्शन करने व बेस कैंप पर लौटने में एक दिन लगता है।

सफाई व्यवस्था निरीक्षण करने पहुंचे कमिश्नर सड़क किनारे नही होना चाहिए कचरे का ढेर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर हर दिन सुबह सात बजे शहर की साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लेने निकल रहे हैं.निरीक्षण पर निकले तो सड़क पर सफाई कर्मी महिला झाड़ू लगा रही थी ।इस समय सड़क साफ सुथरी मिली ।कमिश्नर ने कहा सड़क किनारे जगह-जगह कचरे के ढेर जमा नही होनी चाहिए,तत्काल कचरा उठाये ।कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के साथ बोरसी बम्लेश्वरी कालोनी,प्रगति मैदान, पंचशील नगर बोरसी क्षेत्र समेत अन्य जगहों जस निरीक्षण कर सफाई कर्मी एवं सुपर वाइजर से कहा कि सफाई व्यवस्था में और भी बेहतर प्रगति लायी जाये ।साथ ही यह भी कहा कि सी एंड डी फेंकने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाए,निर्देश के बाद लगातार कार्रवाही की जा रही है ।वार्ड नंबर 60 प्रोफेसर कॉलोनी में मकान निर्माण सामग्री रेती गिट्टी के द्वारा नाली को बंद करने के कारण 1000 जुर्माना लगाया गया ।कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि फाइट द बाइट अभियान के तहत नगर निगम के अधिकारियों द्वारा लोगों को जागरूक किया जा रहा है। मानसून के पूर्व किसी भी तरह की कोई संक्रामक बीमारी जैसे डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए लोगों को जानकारी दी जा रही है। इस अभियान में नगर निगम के सभी अधिकारी कर्मचारी जुट गए हैं ।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग दल के साथ सभी के सहयोग से घर-घर निरीक्षण कर डेंगू लार्वा को जन्म के पूर्व ही खत्म करने के लिए वृहद पैमाने पर कार्य किये जा रहे हैं। इसके तहत प्रत्येक घर में ड्राई डे मनाया जाएगा। लोगो को बताया जा रहा है कि एक मादा मच्छर पहले अंडे देती है। अंडे से लार्वा बनता है।

संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में नि:शुल्क अध्ययन का अवसर

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग की पहल पर दंतेवाड़ा जिले के 12वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के सुनहरे भविष्य के लिये जिला प्रशासन द्वारा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में नि:शुल्क अध्ययन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। जिस तारतम्य में जिले के विभिन्न संस्थाओं से इच्छुक 25 छात्र/छात्राओं ने खैरागढ़ में विभिन्न विधाओं में अध्ययन करने हेतु अपनी रूचि व्यक्त की थी। इन 25 छात्र/छात्राओं को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में प्रवेश दिलवाने के लिए अभिरूचि परीक्षण को उत्तीर्ण करने के लिए आवश्यक तैयारी जिले प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा करवायी गई।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

बीजापुर में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, दो जवान शहीद और चार घायल

जंगल में सर्चिंग से लौट रहे जवानों के ऊपर नक्सलियों ने घात लगाकर दिया वारदात को अंजाम

और 4 घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी ब्लास्ट हुआ। जिले के जिले के तर्रेम थाना इलाके के मंडिमरका के जंगल में सर्चिंग से लौट रहे जवानों के ऊपर नक्सलियों ने घात लगाकर पाइप बम के माध्यम से आईईडी ब्लास्ट किया, इस घटना में जहां दो जवान शहीद हो गए, वहीं चार घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ, कोबरा, सीएएफ डीआरजी और एसटीएफ के जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकले हुए थे। बुधवार को जवान वापस लौट रहे थे। इस दौरान बीती रात तर्रेम थाना इलाके के मंडिमरका के जंगलों में नक्सलियों द्वारा लगाए गए पाइप बम को ब्लास्ट कर दिया। इस ब्लास्ट में स्ज्ञस्न के कॉन्स्टेबल भरत साहू और सत्येर सिंह कांगे शहीद हो गए। वहीं पुरुषोत्तम नाग, कोमल यादव, सियाराम सोरी और संजय कुमार घायल हैं। इन्हें पहले बीजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से जगदलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सभी घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर रायपुर लाने की तैयारी है। शहीद भरत साहू रायपुर और सत्येर सिंह कांगे नारायणपुर के रहने वाले थे।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा में मुठभेड़ : कमांडर सहित 12 नक्सली ढेर. एके 47 सहित भारी मात्रा हथियार बरामद

गढ़चिरौली। छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र की सीमा पर गढ़चिरौली जिले में बुधवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गये हैं। करीब छह घंटे चली मुठभेड़ में शीर्ष नक्सल कमांडर डीवीसीएम लक्ष्मण अतराम, भी मारा गया। मार गये नक्सलियों से एके-47 सहित कई हथियार बरामद हुए हैं। गोलीबारी में एक पुलिस कर्मी और एक जवान घायल हुआ है।

गढ़चिरौली पुलिस ने बुधवार सुबह करीब 10 बजे ऑपरेशन शुरू किया था। इसमें पुलिस उपाधीक्षक (संचालन) के नेतृत्व में सात सी60 कमांडो टीमों को तैनात किया गया। इलाके में 12-15 नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद ऑपरेशन ने वांडोली गांव के पास छत्तीसगढ़ सीमा को निशाना बनाया। टकराव दोपहर में शुरू हुआ और भारी गोलीबारी हुई जो देर शाम तक करीब छह घंटे से अधिक समय तक रुक-रुक कर चलती रही।

गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि दोपहर सी60 कमांडो और नक्सलियों के बीच वंडोली गांव में भारी गोलीबारी हुई। मुठभेड़ करीब छह घंटे तक चली जिसमें बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों से कई हथियार बरामद हुए हैं। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने 12 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। इसके अलावा तीन एके47, दो इंसास राइफल सहित सात स्वचालित हथियार, कार्बाइन और एसएलआर जब्त किए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। घायलों में सी 60 का एक उप निरीक्षक और एक जवान शामिल है। वे खतरे से बाहर हैं, उन्हें घटनास्थल से निकाल कर नागपुर भेज दिया गया है।

मोहर्रम के दौरान हुआ हादसा, मारपीट के दौरान जलती आग में गिरा नाबालिग लड़का, पीठ का हिस्सा झुलसा

■ **करतला थाना क्षेत्र के ग्राम नोनबिर्रा की घटना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के करतला थाना क्षेत्र के ग्राम नोनबिर्रा में भी आयोजन किया गया जिसमें अंगार अलाव जलाकर उसके आसपास लोग मौजूद थे। 17 वर्षीय नाबालिग के गांव के अन्य लड़के भी मौजूद थे। इन्हीं में शामिल एक किशोर सरवन भी मौके पर था। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर लड़कों में तू-तू मैं-मैं हो गया और धक्का-मुक्की में सरवन जलते अंगार में गिर पड़ा।

सरवन के अंगार में गिरते ही अफरा-तफरी मच गई और उसे तुरंत बाहर निकाला गया। सरवन का पीठ का कुछ हिस्सा झुलस गया है। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही रात में डायल 112 की टीम और करतला पुलिस मौके पर पहुंची थी।

घायल श्रवण कुमार के भाई करण कुमार ने बताया कि कल मोहर्रम का कार्यक्रम था जहां किसी काम से दुकान गए हुए थे इस दौरान उसका छोटा भाई किरण और समर दोनों साथ में थे जब वह दुकान सामान लेने गया इस दौरान कुछ युवक आए और श्रवण के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया मारपीट की इस घटना में श्रवण आग से बने भट्ठा में जा गिरा। दोनों भाई किसी तरह श्रवण को बाहर निकले और बाइक में लेकर अस्पताल के लिए रवाना हुए इस दौरान रास्ते में बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया और वह एक ट्रक में लोड कर उसे करतला थाना लेकर पहुंचे जहां पुलिस से शिकायत के बाद तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि पुराने विवाद के कारण विवाद की स्थिति निर्मित हुई और मारपीट तक उतारू हो गए मारपीट करने वाले घटना के बाद मौके से फरार हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान ने बताया नोनबीर्रा गांव में तीन भाई एक साथ मोहर्रम कार्यक्रम देखने गए हुए थे इस दौरान अंगार के पास बैठे हुए थे कुछ नाबालिग 5 से 6 की संख्या में आए और उसे धक्का देकर भाग गए इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरू कर दी है।

युवक की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका जानवरों ने नोच खाया, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

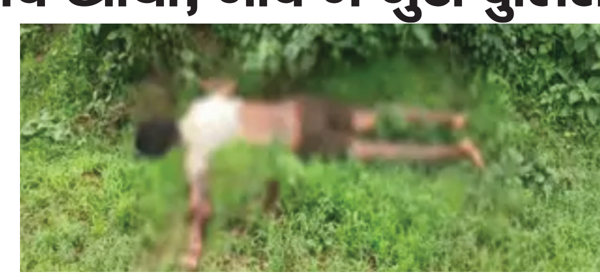

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक युवक की लाश मिली है। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। जानवरों ने लाश के चेहरे को नोंच दिया है। इसके अलावा पुलिस को सिर में जख्म के निशान मिले हैं। आशंका है कि किसी ने युवक की हत्या कर लाश को फेंक दिया है। फिलहाल पुलिस युवक की पहचान करने में जुटी है। यह पूरा मामला आमानाका थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार को आमानाका पुलिस को सूचना मिली कि आमानाका के पास पेट्रोल पंप के सामने खाली जमीन हैं। जमीन में झाड़ियों के पास एक युवक की लाश पड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक 35 से 40 साल के बीच का है। उसने हाफपैंट और टी-शर्ट पहनी है।

पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम के साथ जांच पड़ताल की। बताया जा रहा है कि युवक की लाश दो से तीन दिन पुरानी है। लाश के चेहरे को जानवरों ने नुकसान पहुंचाया है। शरीर में भी सड़न हो चुकी है। बता दें कि लाश के दाएं हाथ में मां से गोदना लिखा हुआ है। पुलिस लाश में मिले कपड़े, गोदना और कद-काठी के आधार पर पहचान करने की कोशिश कर रही है। बीते कुछ दिनों में आसपास के थानों में गुमशुदगी के मामलों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस को शक है कि मृतक आसपास का ही इलाके का रहने वाला है। फिलहाल लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया गया है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से किया दुष्कर्म, पीड़िता को साथ लेकर घुम रहा था आरोपी, गंडई से गिरफ्तार

कबीरधाम (ए.)। पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह मामला जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी रणवीरपुर का है। एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी लड़की को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला फुसला कर भगा ले गया है। शिकायत के बाद पुलिस की जांच शुरू हुई। इस दौरान पता चला कि आरोपी मुकेश अडमाची पिता धरमू अडमाची उम्र 22 निवासी ग्राम बीसावाडा थाना डुडासिवनी जिला सिवनी (एमपी) ने लड़की को अपने साथ ले गया है।

बीते चार दिन से आरोपी को ट्रेस किया जा रहा था।आरोपी द्वारा लगातार लोकेशन बदल रहा था। कभी प्रयागराज(यूपी) तो कभी एमपी के सिवनी, कटनी में था। इसे लगातार चार-पांच दिन तक पीछा कर ग्राम गंडई के बस स्टैण्ड पर बालिका के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 137(2)87,64(2) एम65 (1) बीएनएस, 06 पास्को एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

देह व्यापार का भंडाभोड़, ग्राहक सहित पांच पकड़ाए

■ **थाना मुजगहन क्षेत्र के एक मकान में चल रहा था देह व्यापार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाभोड़ किया है। पुलिस ने एक महिला और चार पुरूष को पकड़ा है। ये कार्रवाई पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। टीम ने मुखबिर की सूचना पर थाना मुजगहन क्षेत्र में रेड कार्रवाई की। इस दौरान पांच लोगों को पकड़ा गया।

दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि मुजगहन क्षेत्र के एक मकान में देह व्यापार चल रहा है। इस सूचना पर आईयूसीए डब्ल्यू, टिकरापारा थाना, मुजगहन पुलिस व महिला रक्षा टीम के द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में मुजगहन क्षेत्र के एक मकान से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें से एक महिला भी शामिल है।

पुलिस की रेड में संचालिका एक महिला एवं अन्य आरोपी महेश व्यास पिता गोविंद व्यास उम्र 27 साल पता गोकुल चंद्रमा मंदिर बुढ़ापारा, तेजेन्दर सिंह पिता जगदीश सिंह उम्र 21 साल पता शीतला मंदिर में पीछे आमापारा थाना आजाद चौक जिला रायपुर, शिवेन्द्र निषाद पिता मनोज निषाद उम्र 21 साल, डीसी कुमार देवदास पिता व्यासनारायण देवदास उम्र 24 साल पता निवासी ग्राम कन्हेरा थाना अभनपुर जिला रायपुर कुल 5 को रेड कार्यवाही कर पकडा गया। आरोपियों के खिलाफ मुजगहन पुलिस ने धारा 3.4.5.7 अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के तहत कार्रवाई कर रिमांड न्यायालय में पेश किया और वहां से जेल भेज दिया।

खास खबर

एक करोड़ से ज्यादा की ठगी का मामला, पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी

धमतरी। में खाताधारकों के करीब एक करोड़ 84 लाख रुपये गबन करने के एक मामले में फरार चल रहे दूसराआरोपी कुरूद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वही पुलिस ने आरोपी बैंक कर्मी को ठगी के जुर्म में जेल भेज दिया है।

कुरूद पुलिस ने कुछ मैंने पहले ही ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पूरा मामला कुरूद स्थित एचडीएफसी बैक का है। बता दें कि कुरूद स्थित एचडीएफ्सी बैंक के तत्कालीन बैंक मैनेजर श्रीकांत टेनेटी ने अपने कर्मचारी तेजेन्द्र साहू के साथ मिलकर 20 से ज्यादा खाता धारकों के खाते से लाखों रुपये निकाल कर गबन किया था। जब इसकी जानकारी खाता धारकों को हुई तो मैनेजर से मिले। लेकिन बैंक मैनेजर खाताधारकों को गोलमोल जवाब दे रहा था। जिसके बाद खाताधारकों ने इसकी शिकायत कुरूद थाने में किया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने बैंक मैनेजर और एक कर्मचारी के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने तत्कालीन बैंक मैनेजर श्रीकांत टेनेटी मई मांह गिरफ्तार कर जेल भेज चुका था। लेकिन दूसरा आरोपी तेजेन्द्र साहू फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी ने गबन किए लाखों रुपये को ऑनलाइन जुआ में हार गया, साथ ही कुछ रकम आपस में बांट ली थी।

मालगाड़ी के सामने युवक ने लगाई छलांग, पैर कटकर हुआ अलग

जगदलपुर। में गीदम रोड़ रेलवे स्टेशन में बुधवार की दोपहर को एक युवक ने मालगाड़ी के सामने छलांग लगा दी। इस घटना में युवक का पैर कटकर अलग हो गया। घटना की जानकारी लगते ही आरपीएफपुलिस के साथ ही 108 की टीम मौके पर पहुंच घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया।

मामले की जानकारी देते हुए रेलवे पुलिस ने बताया कि दोपहर को मालगाड़ी के ड्राइवर ने आरपीएफ को सूचना दिया कि एक युवक मालगाड़ी के सामने कूद गया है, सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के पास से मिले फोन के आधार पर उसकी पहचान राजेश मिश्रा 37 वर्ष निवासी गीदम रोड़ के रूप में हुई है। पुलिस का मानना है कि युवक ने सुसाइट करने के इरादे से ही ट्रेन के सामने छलांग लगाई है, मौके पर जब पुलिस पहुँची तो युवक का पैर कटकर अलग हो गया था, साथ ही पटरी के उस पार गिरा पड़ा हुआ था, फिलहाल घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया है, साथ ही परिजनों को भी अस्पताल आने की बात कही गई है।

ड्राइवर ने पेड़ पर फांसी लगा कर दी जान, एक सप्ताह से था लापता

कोरबा। उरगा थाना अंतर्गत कर्रापाली गांव निवासी 32 वर्षीय जगदीश विश्वकर्मा का शव पेड़ पर लटका मिला। मड़वारानी स्टेशन के पास सड़क किनारे पेड़ पर लाश देखे जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उसके जेब में मिले मोबाइल और आधारकार्ड के आधार पर उसकी पहचान हुई। घटना को 48 घण्टे से अधिक हो चुके थे शव से बदबू और कीड़े भी आने लगे थे। पुलिस ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को भेज दिया है।

मृतक कोरबा जिले के सर्वमंगला क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के पास ड्राइवर का काम कर रहा था। चार दिन से उसके घर नहीं पहुंचने के कारण परिजन परेशान थे और लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। छोटे भाई अजय विश्वकर्मा ने बताया कि इस दौरान पेड़ पर उसका शव मिलने की जानकारी मिली तब मौके पर पहुंचे।

बाइक की टक्कर से महिला की हुई मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बीती रात रथोउत्सव मेला देखकर घर लौट रही महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने बुधवार की सुबह आरोपी चालक की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे बाद मृतक के परिजनों को मुआवजा के बाद चक्काजाम समाप्त किया। मामला रायगढ़ जिले के कापू थाना क्षेत्र का है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के कापू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अंबेडकर चैक के पास मंगलवार की रात करीब 8 बजे पत्थलगांव से धरमजयगढ़ की ओर जा रहे बाईक चालक राजेश टंडन के द्वारा तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए महिला कविता गोरे पति डोमन गोरे 26 साल निवासी माझा पारा कापू को जोरदार ठोकर मार दी। साथ ही साथ एक अन्य युवक को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक और महिला को उपचार के लिये सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है जहां मौजूद डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया वहीं युवक का उपचार जारी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत हो जाने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर बुधवार की सुबह कदम चैक में ही सड़क में महिला का शव रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया जिससे इस मार्ग मार्ग के दोनों तरफवाहनों की लंबी कतार लग गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही कापू पुलिस मौके पर पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाईश देते हुए चक्काजाम समाप्त करने के लिये कहा गया परंतु ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे।

गांव के ग्रामीणों ने बताया कि कल कापू में रथ उत्सव मेला का आयोजन हुआ था महिला कविता गोरे रथ देखकर घर लौट रही थी इसी बीच रात करीब 8 बजे के आसपास यह घटना घटित हो गया जिसमें महिला की मौके पर ही मौत हो गई। चक्काजाम की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी एसडीएम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और तत्कालिक सहायता राशि 25 हजार रूपये दिये जाने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब 3 घंटे बाद चक्काजाम समाप्त किया। तब जाकर इस मार्ग में वाहनों का आवागमन शुरू हो सका।

रायपुर में भीषण सड़क हादसाः ट्रक और सिटी बस के बीच जोरदार भिडंत, ड्राइवर समेत 20 लोग घायल

इधर राजधानी रायपुर में भी भीषण सड़क हादसे का मामला सामने आया है। तेज रफ्तार ट्रक और सिटी बस में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। हादसे में लगभग 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा विधानसभा थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव के पास हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की सूचना मिलने पर विधानसभा थाना पुलिस समेत आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, बस रायपुर से खरोरा की ओर जा रही थी। वहीं ट्रक सामने से आ रहा था। इस बीच सेमरिया गांव के पास तेज रफ्तार बस चला रहे ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस की ट्रक से भिडंत हो गई। इसके बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। बस में सवार कई यात्रियों को काफी चोटें आई है।

आम सूचना

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री जसबीर सिंग आ. स्व. स्वर्ण सिंग निवासी- न्यू खुर्सीपार के हक एवं स्वामित्व की अचल संपत्ति भूखंड क्रमांक- 09, ब्लॉक क्रमांक- 07, क्षेत्रफल- 216 वर्गमीटर, मौजा- पंडित दीनदयाल पूरम आवासीय योजना खुर्सीपार भिलाई तह. एवं जिला- दुर्ग (छ.ग.) की मूल विक्रय पत्र रजिस्ट्री दिनांक- 29 मार्च 2004, दस्तावेज क्रमांक- 279B, ग्रंथ क्रमांक- 14347 पृष्ठ क्रमांक- 1-5, कहीं गुम हो गया है। मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति को बंधक रखकर बैंक ऑफ बड़ौदा से ऋण प्राप्त करना चाहता है।

उक्त संपत्ति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय अर्द्धशासकीय संस्था, साहूकार, निगम, वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर मेरे कार्यालय में संपर्क करे, समयावधि पश्चात की गई आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर बंधनकारी नही होगी तथा आपत्ति विधि-विरुद्ध एवं शून्यमानी जायेगी।

सो सूचना जाने।
संदीप कुमार नायक
अधिवक्ता

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

छत्तीसगढ़ की चार प्रमुख रेल परियोजनाएं जल्द होगी शुरू

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय रेल मंत्री से की रेल परियोजनाओं पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नई दिल्ली में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य की विभिन्न नई रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। रेल भवन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस दौरान राज्य की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना, अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना को जल्द शुरू करने का आग्रह किया।

धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। यह पत्थलगाँव, कुनकुरी, जशपुर नगर, गुमला आदि महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ को झारखंड से जोड़ेगी। इस परियोजना के माध्यम से औद्योगिक (कोरबा) क्षेत्र को लोहरदगा से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र को पूर्व में कोरबा और रांची के होकर मध्य भारत से जोड़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपए है।

अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना

इस परियोजना की मांग आजादी से पहले 1925 में की गई थी। हालांकि 1948 में मंजूरी मिलने के बावजूद यह परियोजना अब तक अधूरी रही। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना अंबिकापुर (उत्तरी छत्तीसगढ़) को बरवाडीह (झारखंड) से जोड़ेगी और परसा, राजपुर, चंदनपुर आदि महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगी। इस परियोजना के माध्यम से देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में कोयला और अन्य खनिजों के परिवहन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 9000 करोड़ रुपए है।

खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना देश के पश्चिमी क्षेत्र में एसईसीएल और एमसीएल कोयला क्षेत्रों की निकासी के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। यह बिलासपुर और रायपुर स्टेशनों को बायपास करते हुए बलौदाबाजार क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 8000 करोड़ रुपए है।

रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना

रेलवे पहले से ही दल्ली-राजहरा-रावघाट 95 किमी नई रेलवे लाइन का निर्माण कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने सुझाव दिया कि इस लाइन को जगदलपुर तक बढ़ाया जाए, ताकि आदिवासी क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास किया जा सके। यह परियोजना छत्तीसगढ़ के खनिज समृद्ध क्षेत्र से इस्पात उद्योगों तक लौह अयस्क की निकासी के कुशल और पर्यावरण अनुकूल साधन प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 3500 करोड़ रुपए है। बैठक के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं की संभावनाओं और लाभों को स्वीकार किया और इन पर तेजी से काम करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ राज्य के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं और रेलवे मंत्रालय इन्हें प्राथमिकता देगा।

छत्तीसगढ़ के विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर मुख्यमंत्री साय की केंद्रीय गृहमंत्री से हुई महत्वपूर्ण मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उनके निवास पर मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के दीर्घकालिक विकास के लिए बनाए गए छत्तीसगढ़ विजन 2047 पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में राज्य सरकार ने आठ अलग-अलग क्षेत्रों को चिन्हित किया है। इन क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए एक वर्किंग कमेटी का गठन किया गया है, जो नियमित रूप से आम लोगों और विशेषज्ञों से चर्चा कर एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय गृहमंत्री को राज्य में माओवादियों के सप्लाई और फंडिंग नेटवर्क के खिलाफ की जा रही प्रभावी कार्रवाई के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने माओवादियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने और उनके वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने नक्सल ऑपरेशन और माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों के बारे में भी गृहमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि माओवादी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेज़ी से विस्तार किया जा रहा है, उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने इन क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विशेष अभियान संचालित किया है। इस मुलाकात के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना की और राज्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया से सीएम साय ने की रोजगार, श्रम कल्याण व खेल सुविधाओं पर चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा एवं खेल मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया से उनके आवास पर सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने डॉ. मंडाविया से छत्तीसगढ़ में रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण और खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए केंद्र सरकार से और अधिक सहायता का आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी इस दौरान उनके साथ थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान राज्य में श्रम, रोजगार और खेल के क्षेत्र में हो रही प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें न्यूनतम मजदूरी दर में वृद्धि, श्रमिक कल्याण योजनाओं का क्रियान्वयन और रोजगार के नए अवसरों का सृजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने राज्य में बेरोजगारी की दर को कम करने के लिए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री श्री साय ने केन्द्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया को राज्य में खेल सुविधाओं के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएँ शुरू की हैं। मुख्यमंत्री ने डॉ. मंडाविया से अनुरोध किया कि केंद्र सरकार इन योजनाओं को और अधिक समर्थन दे, ताकि राज्य के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। डॉ. मंडाविया ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रयासों की सराहना की और राज्य में विकास के लिए उठाए जा रहे कदमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ को हरसंभव सहयोग देने को तैयार है।

सराफा एसोशिएशन के शपथ समारोह में शामिल हुए साव, पोर्टल और क्यूआर कोड किया लांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव बुधवार को छत्तीसगढ़ सराफा एसोशिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण और आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए। उन्होंने रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में एसोशिएशन के वेब पोर्टल और क्यूआर कोड को लॉन्च किया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक अमर अग्रवाल भी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बिलासपुर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता और बॉर काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य सुनील ओटवानी ने छत्तीसगढ़ सराफा एसोशिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष को शपथ दिलाई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुख्य अतिथि के रुप में शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एसोशिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी अपने नेतृत्व में प्रदेश भर के सराफा व्यापारियों को एकजुट करने का काम करेंगे। सराफा व्यवसाइयों के हितों के संरक्षण के साथ ही समाजसेवा का महती कार्य एसोशिएशन के माध्यम से होगा, ऐसी वे उम्मीद करते हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में सराफा व्यवसाय के उत्थान में सरकार हर कदम पर एसोशिएशन के साथ खड़ा है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सराफा व्यवसाय किसी प्रदेश की प्रगति का द्योतक है। सराफा व्यवसाय का बढ़ना राज्य की तरक्की का प्रतीक है। पहले एक खास क्षेत्र में सीमित रहने वाले सराफा दुकानों का अब शहर के अलग-अलग क्षेत्रों और बाजारों में विस्तार हो रहा है। पिछले 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ में सराफा का व्यवसाय करीब सौ गुना बढ़ा है। समारोह में विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद यहां की सामाजिक और आर्थिक प्रगति हम सबने देखी है। प्रदेश में सराफा की नई दुकानें तेजी से खुल रही हैं, जो बताती है कि यहां के लोगों की खरीदारी की क्षमता लगातार बढ़ रही है। प्रदेश के आर्थिक विकास में योगदान के लिए मैं सराफा व्यापारियों को धन्यवाद देता हूं।

बिलासपुर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता और बॉर काउंसिल ऑफइंडिया के कार्यकारी सदस्य सुनील ओटवानी, छत्तीसगढ़ सराफा एसोशिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमल सोनी और कोषाध्यक्ष हर्षवर्धन जैन ने भी समारोह को संबोधित किया। रायपुर सराफा एसोशिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने स्वागत भाषण दिया। एसोशिएशन के नवनिर्वाचित महासचिव प्रकाश गोलछा ने कार्यक्रम में शामिल अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रदेश भर से आए विभिन्न सराफा एसोशिएशन्स के पदाधिकारी और सराफा व्यवसाई समारोह में बड़ी संख्या में शामिल हुए।

आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे किसान : टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही है। खेती-किसानी को मजबूत बनाने के लिए हरसंभव सहायता दे रही है। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा सारंगढ़ में आयोजित मतदाता अभिनंदन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उनके साथ सांसद राधेश्याम राठिया भी शामिल हुए।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के उत्थान के लिए योजनाओं का संचालन कर रही है। उन्होंने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी विकसित राज्य की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। आने वाले वर्षों में भारत पुनः विश्व गुरू के रूप में भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। 3100 रूपए में धान खरीदी, दो साल का धान का बकाया बोनस किसानों को दिया गया है। इसके अलावा प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रों में सब्सिडी और पीएम सूर्य घर योजना जैसी अनेक योजनाओं के बेहतर ढंग से क्रियान्वयन से किसानों को लाभ मिला है। लोकसभा क्षेत्र रायगढ़ के सांसद राधेश्याम राठिया ने सारंगढ़ विधानसभा के मतदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि मतदाताओं के बदौलत जनता की सेवा करने की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है, जिसका निर्वहन मैं पूरी निष्ठा से करूंगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जवाहर नायक सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

संस्कृति बोध माला पुस्तकों का वित्त मंत्री चौधरी ने किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी यहां रोहिणीपुरम में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा संस्कृति बोध माला पुस्तकों का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेक शेन्डेय अध्यक्ष विद्या भारती मध्यक्षेत्र के द्वारा किया गया।

मंत्री श्री चौधरी ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति को विश्व की प्राचीन संस्कृतियों से एक बताते हुए यहां की विशिष्टता से अवगत कराया। उन्होंने समृद्धशाली भारतीय संस्कृति से जुड़े अनेक उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि हम सभी को भारतीय संस्कृति को जानने एवं समझने में संस्कृति बोध माला पुस्तक बहुत ही उपयोगी साबित होगी। श्री चौधरी ने शिक्षा को मूल्य परक बनाने में विद्या भारती के कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

बोधमाला में भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों की जानकारी दी गई है। कार्यक्रम में विवेक शेन्डेय ने संस्कृति ज्ञान परीक्षा के बारे में एवं संस्कृति बोधमाला के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पुस्तिका में हमारी भारत माता, हमारा भारत देश, हमारी ज्ञान परंपरा, हमारी वैज्ञानिक परंपरा, हमारे गौरवशाली अतीत के बारे में जानकारियां है। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति का समावेश करते हुए पुनर्लेखन किया गया है। कार्यक्रम को डॉ. देवनारायण साहू ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन निश्चय बाजपेयी ने किया। आभार प्रदर्शन विवेक सक्सेना सचिव सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ ने किया। कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय बिलासपुर के कुलपति ए.डी.एन. वाजपेयी, विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष शशिरंजन, विद्याभारती के क्षेत्रीय मंत्री जितेन्द्र परिहार, क्षेत्रीय संगठन मंत्री भालचंद्र रावले, क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ आनंद राव तथा नगर के अनेक विद्यालयों के प्रबंधक, शिक्षक एवं शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

दूर हुई बेटियों के विवाह की चिंता, 45 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों को होने वाली आर्थिक परेशानियों को दूर करना, शादी के मौके पर फिजुलखर्ची को रोकना, सामूहिक विवाह के आयोजन से सामाजिक स्थिति में सुधार लाना है। गत दिवस रायगढ़ जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 45 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कन्या के नाम से 35 हजार रूपये की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। उपहार के रूप में बैग, श्रृंगार सामाग्री, कपड़े इत्यादि वर-वधु को दिया गया तथा जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र दिया गया।

इनमें से गोपालपुर, बोईरदादर की निवासी श्रीमती देवंती सिदार और भगवानपुर निवासी श्रीमती भारती ने बताया कि उनकी शादी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 16 जुलाई को हुई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से उनका पंजीयन किया गया और इस योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि वे अभी अपने अपने पति के साथ बेहद खुश है। गरीबी के कारण परिवार वालों के लिए शादी कराना बहुत बड़ी चुनौती थी, पर इस योजना के चलते यह चुनौती आसानी से हल हो गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और महिला एवम् बाल विकासमंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को धन्यवाद देते हुए हितग्राहियों कहा कि इस योजना ने हमारे माता-पिता के आर्थिक बोझ को कम कर धूमधाम से विवाह करने समर्थ बना दिया।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। महतारी वंदन योजना, महतारी जतन योजना। ऐसी ही और एक योजना है- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन लोगों को सहायता प्रदान किया जाता है जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। ऐसे परिवार की बेटियों को इस योजना का लाभ दिया जाता है। इस योजना के तहत गरीब परिवारों की बेटियों को विवाह के लिए सरकार सहायता राशि प्रदान करती है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कमजोर, आर्थिक परिस्थितियों वाले परिवारों की बेटियों के हाथ पीले कर माता-पिता के आर्थिक बोझ को कम कर रही है, जिनके घर में बेटियां होती है, उनके माता-पिता को बेटी की शादी योग्य उम्र होते ही चिंता सताने लगती है। हर मां-बाप का सपना होता है कि उनकी बेटी की शादी धूमधाम से हो, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण सपना अधूरा रह जाता है। ऐसे में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से हजारों परिवारों के माता-पिता के आर्थिक बोझ को कम कर उनकी चिंता दूर कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950